Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 122 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, सोमवार 16 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



मित्र वही जो आवश्यकता के समय काम आता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

छठ महापर्व आयोजन समिति महादेवघाट

आप सभी सूर्य उपासको का हार्दिक अभिनंदन करती है।

जय छठी माई



जय दीनानाथ

पंजीयन नं.
122201967026

भारत माता की जय
छत्तीसगढ़ महतारी की जय





भारत माता की जय
छत्तीसगढ़ महतारी की जय


संरक्षक
रविन्द्र सिंह


संरक्षक
परमानंद सिंह


संरक्षक
सुखवीर सिंह राघव


संरक्षक
आर.पी. सिंह


संरक्षक
संजय श्रीवास्तव


संरक्षक
जोगिन्दर सिंह


संरक्षक
अमित सिंह


संरक्षक
आर एन सिन्हा


संरक्षक
अजीत सिंह


संरक्षक
रामविलास सिंह


संरक्षक
रंजीत गुप्ता


संरक्षक
मुक्तिनाथ पाण्डेय


संरक्षक
अखिलेस सिंह


संरक्षक
गौरव सिंह तोमर


संरक्षक
शिवशंकर सिंह


संरक्षक
अजय सिंह


संरक्षक
अनिल सिंह


संरक्षक
संजीव सिंह


संरक्षक
सत्येन्द्र सिंह गौतम


संरक्षक
सीएस सिंह


संरक्षक
रामकुमार सिंह रजावत


संरक्षक
रणधीर सिंह


संरक्षक
बबलू सिंह


विधी व्यवस्था प्रभारी
अजय शर्मा


पार्षद
डॉ. अनामिका सिंह


रमेश सिंह


सोहन यादव


रवींद्र शर्मा


मुकुल श्रीवास्तव


संतोष सिंह


गौरीशंकर गुप्ता


संजय सिंह


विकाश गुप्ता


नवल गुप्ता


विकास मिश्रा


अजय सिंह

राजीव चौधरी

सरोज सिंह

सुमन सिंह

प्रभात सिंह

डी के शर्मा

विवेक परमार

परमवीर सिंह

अजीत सिंह चौहान

शिवनारायण साहू

मनोज सिंह

शेखर बंका

चंदन चौधरी

संजय सिंह

बिरेश्वर सिंह

पं. रंजीत मिश्रा

राजीव पांडे

शंभु सिंह

अमित सिंह

गौरव सिंह

आदित्य सिंह

शौर्य प्रताप सिंह

अमन सिंह

अंकित गौतम

संजय सिंह

पंकज चौधरी

राजेश सिंह कोटा

रोहित सिंह तीरंगा

अमरजीत सिंह

सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोक गायिका **गायत्री यादव** लखनऊ

लोक गायक **मुकुल सिंह**

लोक गायिका **इशरत जहां केडिया** मुंबई
विजेता – सुरवीर (महुआ टीवी)
प्रतिभागी – राइजिंग स्टार (कलर्स टीवी)

सोनाली तरुण चोपड़ा एवं टीम
(प्रयागराज)
अंतर्राष्ट्रीय नृत्य नाटिका एवं झांकी

लोकधारा
छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम
तिलक राजा साहू, केशरी साहू एवं लोकधारा परिवार
समय - संध्या 4 बजे से 7 बजे तक

पूजा कार्यक्रम

संध्या अर्घ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम
15 नवंबर संध्या 4 बजे से

महाआरती 15 नवंबर
संध्या 7 बजे, रविवार

प्रात: अर्घ्य सूर्योदय
दिनांक 16 नवंबर सोमवार

पारण एवं महाभंडारा 16 नवंबर
प्रात: अर्घ्य उपरान्त 6 बजे से
(शुद्ध घी से निर्मीत)

राजेश कुमार सिंह
संस्थापक, अध्यक्ष एवं आयोजन प्रमुख

समन्वयक
सत्य प्रकाश सिंह

छठ घाट प्रभारी
वेद नारायण सिंह

सह-प्रचार प्रसार सचिव
राकेश कुमार सिंह

महा भंडारा प्रभारी
जयन्त सिंह

सह-कोषाध्यक्ष
जे पी सिंह

संरक्षक
शशि सिंह

उपाध्यक्ष - आयोजन उपप्रमुख
कन्हैया सिंह

उपाध्यक्ष - आयोजन उपप्रमुख
संतोष सिंह

प्रचार-प्रसार सचिव
ब्रजेश कुमार सिंह

कोषाध्यक्ष
सुनिल कुमार सिंह

Khanna

आयोजन स्थल : महादेवघाट खारुन नदी तट, रायपुर

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, सोमवार 16 नवम्बर 2026

डबल इंजन सरकार में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 'अबुआ राज' के सपनों का हो रहा चीरहरण

■ कुदरत भी नहीं चाहती कि आदिवासी विरोधी भाजपा के फर्जी इवेंट में उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल हों, इसलिए नहीं पहुंचे नितिन नबीन : दीपक बैज



रायपुर (विश्व परिवार)। भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर पावन स्मरण करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि कुदरत भी नहीं चाहती कि आदिवासी विरोधी भाजपा के फर्जी सरकारी इवेंट में उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल हों, इसलिए धरमजयगढ़ के कार्यक्रम में नितिन नबीन नहीं पहुंचे। भगवान बिरसा मुंडा के द्वारा दिए गए अबुआ दिशुम, अबुआ राज के संकल्प को सामने रखते हुए, दीपक बैज ने वर्तमान भाजपा सरकार की जनविरोधी, आदिवासी-विरोधी और पूंजीपति-परस्त नीतियों के खिलाफ सवाल उठाये, आज पूरा देश और विशेषकर छत्तीसगढ़ धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षों को याद कर रहा है, लेकिन विडंबना देखिए कि आज छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों के ठीक विपरीत काम कर रही है। आज सत्ता और सेठों का गठजोड़ मिलकर हमारे आदिवासियों की जल, जंगल और जमीन को उद्योगपतियों के हाथों बेच रहा है। कांग्रेस पार्टी भगवान बिरसा मुंडा के उस 'उलगुलान' क्रांति की प्रेरणा को लेकर इस दमनकारी, बहरी और अंधी भाजपा सरकार के खिलाफ सड़क से सदन तक आर-पार की लड़ाई लड़ेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार प्रदेशभर में जनजातीय गौरव और आदिवासी कल्याण के झूठे ढोल पीटती है, लेकिन हकीकत यह है कि आज छत्तीसगढ़ के जंगलों को चंद उद्योगपति मित्रों और कारपोरेट घरानों के हवाले किया जा रहा है। जल, जंगल, जमीन पर आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों पेसा कानून और वन अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त अधिकारों को कुचला जा रहा है। आज इस सरकार में आदिवासी वनोपज संग्राहक खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई और खनिजों की अंधेरगर्दी से बस्तर से लेकर सरगुजा तक जल, थल और पर्यावरण संकट में पड़ गया है। भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर राजनीति करने वाले लोग आज मोदी के मित्र सेठों की तिजौरी भरने के लिए आदिवासियों का खून बहा रहे हैं, नए-नए खदानें खोलने के लिए प्रशासनिक आतंक के जरिए आदिवासियों को उनकी ही पुश्तैनी जमीनों से बेदखल कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भगवान बिरसा मुंडा ने लगान माफी और जल-जंगल-जमीन की लूट के खिलाफ उलगुलान किया था, आज छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार उसी जनविरोधी और पूंजीवादी ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर हमारे संसाधनों को लुटवा रही है। अबुआ दिशुम, अबुआ राज का नारा सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के जन्मसिद्ध अधिकार का प्रतीक है। भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ की अस्मिता और माटी के सपूतों के संघर्षों का अपमान कर रही है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक आदिवासियों का दमन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बस्तर ओलंपिक 2026 का भव्य आगाज और गरिमामय समापन

■ 19236 ने कराया पंजीयन, जोन एवं ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद 232 का जिला के लिए हुआ चयन



जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर अंचल की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित बस्तर ओलंपिक 2026 की विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता का ब्लॉक मुख्यालय बस्तर के लाल बहादुर शास्त्री खेल मैदान में शुक्रवार को उत्साहपूर्ण माहौल में आगाज हुआ और भव्य समापन के साथ इसका समापन हुआ। अनुभागीय अधिकारी राजस्व अजय कुमार शतरंज के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीण खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बस्तर ब्लॉक से बस्तर ओलंपिक में 19236 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया और जोन एवं ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 232 विजेता प्रतिभागियों का जिले के लिए चयन हुआ। यह आंकड़ा बताता है कि ग्रामीण अंचल में खेलों के प्रति कितनी रुचि और जागरूकता बढ़ी है।

शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद अध्यक्ष श्री संतोष बघेल एवं जिला पंचायत सदस्य श्री निर्देश दीवान सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। अतिथियों ने मां दंतेश्वरी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात अतिथियों ने बालक एवं बालिका वर्ग की दौड़ प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतियोगिता के लिए बस्तर ब्लॉक में 6 जोन बनाए गए थे।

डॉ. सुनील कालडा ने पटाखों से झुलसे 65 लोगो का नि:शुल्क उपचार किया



रायपुर (विश्व परिवार)। दीवाली मे चिकित्सकों की अनुपलब्धता व मरीजों को होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए प्रदेश के सर्वप्रथम व निजी बर्न सेंटर कालडा प्लास्टिक कॉस्मेटिक एवं बर्न सेंटर के संचालक तथा अंचल के सुविख्यात प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. सुनील कालडा ने दीवाली में पटाखों से जलने पर 2 दिन नि:शुल्क प्राथमिक उपचार व सलाह की व्यवस्था डॉ. सुनील कालडा ने अपने पचपेढी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास व जी. ई. रोड, राजकुमार कॉलेज के सामने स्थित अस्पताल में की थी. जिसमे डॉ. सुनील कालडा ने पटाखो से झुलसे 65 लोगो का नि:शुल्क उपचार किया, पिछली बार की अपेक्षा इस बार ज्यादा मरीज आए, किसी के हाथ में अनार फट गया तो किसी के हाथ में चकरी फट गई जिससे चेहरे जले तो किसी का हाथ. पटाखे कई बार अपेक्षाकृत जल्दी फट गया.

ज्ञातव्य है कि डॉ. सुनील कालडा विगत 36 वर्षो से पटाखों से झुलसे लोगों का निशुल्क इलाज कर रहे है. इसलिए डॉ. सुनील कालड़ा को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया है डॉ. कालड़ा ने अपील की है कि दीवाली में मिठाईयां की जगह पौधे देवें।

एडवरटाइजिंग एजेंसी एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा भव्य और आत्मीय 'दीवाली मिलन' समारोह



■ पदाधिकारियों व सदस्यों ने साझा की पर्व की खुशियां

रायपुर (विश्व परिवार)। एडवरटाइजिंग एजेंसी एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की ओर से दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में शनिवार, 14 नवंबर 2026 को एक भव्य और आत्मीय 'दीवाली मिलन' समारोह का सफल आयोजन किया गया। शंकर नगर स्थित वीआईपी एस्टेट के अमान्ज़ा पूल्स नेप्च्यून में आयोजित इस कार्यक्रम में विज्ञापन जगत से जुड़े वरिष्ठ सदस्यों और पदाधिकारियों ने पूरे उत्साह के साथ शिरकत की।

इस स्नेह मिलन समारोह का मुख्य उद्देश्य संगठन के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और त्योहार की खुशियों को साझा करना तथा एक-दूसरे से संवाद स्थापित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक स्वागत के साथ हुई, जिससे पूरे परिसर में उत्सव और उमंग का माहौल बना रहा।

एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश दुग्गड़,उपाध्यक्ष प्रबोध जैन एवं महासचिव मनीष राज्यवर्धन के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस गरिमामय समारोह में संस्था की कार्यकारिणी के सभी प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। समारोह में एसोसिएशन के मेंटर्स सत्य नारायण अग्रवाल, शिवाजी मथानी, दीपक जैन, अजय जैन , पूर्व अध्यक्ष ओंकार सिंह , अफ़्सर ख़ान ,और मनमोहन पारख की विशेष एवं मार्गदर्शक उपस्थिति रही। इसके साथ ही, इंदिरा जैन , राजीव पाठक , हसन नकवी , रितेश जैन,पंकज माहेश्वरी ,उमेश बंसी, ऋषभ पारख, शंभु शर्मा ,विपिन और पंकज पंडा ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई।

सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आगामी वर्षों में संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने तथा आपसी एकजुटता को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।

छठ पर्व को लेकर महापौर ने विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण

■ सफाई, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का लिया जायजा, बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश



भिलाई (विश्व परिवार)। छठ महापर्व को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर नीरज पाल ने शहर के विभिन्न छठ घाटों एवं तालाबों में की गई तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

महापौर ने सेक्टर-7 तालाब, सेक्टर-2 तालाब, बापू नगर तालाब, खुर्सीपार स्थित सूर्यकुंड तालाब, बैकुंठ धाम तालाब, हाउसिंग बोर्ड स्थित सूर्यकुंड तालाब, नकटा तालाब कुरूद, भेलवा तालाब कोहका सहित अन्य तालाबों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने छठ व्रतधारियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए घाटों की नियमित सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य जरूरी इंतजाम सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी छठ घाटों पर स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। महापौर ने कहा कि छठ महापर्व आस्था और श्रद्धा का महत्वपूर्ण पर्व है। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण किये हैं। निरीक्षण के दौरान महापौर परिषद सदस्य लक्ष्मीपति राजू, जोन 2 अध्यक्ष जालंधर सिंह, पार्षद प्रतिनिधि हरीश सिंह, दिवाकर, सुमन सिन्हा, सहायक उद्यान अधिकारी संजय शर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, बीरेंद्र बंजारे, सागर दुबे, विजेन्द्र परिहार सहित सम्मानित जन एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस की अंदरूनी कलह और नेतृत्व की विफलता अब सबके सामने : उज्जवल दीपक

■ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी का धरमजयगढ़ कार्यक्रम तकनीकी कारणों से प्रभावित हुआ, लेकिन कांग्रेस इसे लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है।



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने कहा है कि एक तरफ भाजपा का जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम जनजातीय समाज के गौरव, इतिहास और बलिदान के सम्मान के लिए आयोजित हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के नेता वीडियो बनाकर जनता का ध्यान भटकाने में लगे हुए हैं। श्री दीपक ने कहा कि कांग्रेस को पहले अपनी पार्टी की अंदरूनी कलह और नेतृत्व की विफलता का जवाब देना चाहिए।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री दीपक ने कहा कि कांग्रेस के नेता अपनी पार्टी को संभाल नहीं पा रहे हैं और भाजपा के कार्यक्रमों पर अनर्गल बयानबाजी कर अपनी विफलता छिपाने का प्रयास कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस की इस नकारात्मक राजनीति को अच्छी तरह समझ चुकी है। श्री दीपक ने कहा कि कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर चल रही अंदरूनी खींचतान और असंतोष अब किसी से छिपा नहीं है। प्रदेश कांग्रेस में अध्यक्ष को लेकर चल रहे मतभेदों ने पार्टी के अंदर अविश्वास का माहौल पैदा कर दिया है, जिसका खामियाजा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। कांग्रेस पार्टी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से किनारा कर चुकी है और दीपक बैज से भी छुटकारा पाना चाहती है लेकिन बैज शायद अपने मानसिक दिवालियापन के चलते ऊलजलूल बयानबाजी करके कांग्रेस पार्टी में एकतरफा राज करना चाहते हैं जो भूपेश बघेल होने नहीं देंगे। कांग्रेस की यह लड़ाई किसी से छिपी नहीं है। बैज को पहले अपनी पार्टी को संगठित करना चाहिए, न कि दूसरों के घरों में झाँकना चाहिए।

त्योहारी सीजन में ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने यातायात पुलिस का अभियान तेज

■ नो-पार्किंग में खड़े वाहनों पर कार्रवाई

दुर्ग (विश्व परिवार)। त्योहारी सीजन में बाजारों में बढ़ती भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए दुर्ग-भिलाई में यातायात पुलिस ने नो-पार्किंग में वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। पुलिस द्वारा प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों पर लगातार पेट्रोलिंग कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत दुर्ग शहर के स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, सूर्या मॉल रोड, सुपेला संडे मार्केट, पावर हाउस मार्केट और सिविक सेंटर में भी कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान नो-पार्किंग में खड़े दोपहिया वाहनों को क्रेन के माध्यम से हटाकर यातायात कार्यालय भेजा जा रहा है। वहीं नो-पार्किंग में खड़े चारपहिया वाहनों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत ई-चालान जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा दुकानदारों को सडक़ पर सामान नहीं रखने और आवागमन बाधित नहीं करने की समझाइश दी जा रही है। यातायात पुलिस का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि बाजारों और प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति रोकना तथा पैदल राहगीरों एवं वाहन चालकों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है।

जनरेशन कंपनी के गारे पेलमा सेक्टर-III कोयला खदान को राष्ट्रीय स्तर पर 5-स्टार रेटिंग

■ 92 प्रतिशत अंकों के साथ देश की 206 खदानों में 20वां स्थान



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी की गारे पेलमा सेक्टर-III कोयला खदान ने राष्ट्रीय स्तर पर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए किए गए स्टार रेटिंग मूल्यांकन में खदान को प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। खदान ने 92 प्रतिशत अंक अर्जित करते हुए देश की 206 ओपनकास्ट कोयला खदानों में 20वां स्थान प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि इस खदान को पिछले पांच वर्षों से खान मंत्रालय द्वारा प्रथम पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाता रहा है।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के चेयरमेन श्री सुबोध कुमार सिंह ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही पावर जनरेशन कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

इस उपलब्धि के लिए कोयला मंत्रालय द्वारा नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिसॉर्ट में आयोजित स्टार रेटिंग अवार्ड समारोह में जनरेशन कंपनी को सम्मानित किया गया। समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि तथा केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पावर कंपनी के चेयरमैन श्री सुबोध कुमार सिंह को इसकी ट्रॉफी जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने भेंट की।

दीपावली मिलन में मनोरंजन के साथ टैक्स एवं AI तकनीक पर हुई चर्चा

■ जगदलपुर में CA सदस्यों का दीपावली मिलन समारोह आयोजित



जगदलपुर (विश्व परिवार)। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) के CIRC अंतर्गत जगदलपुर CPE चैप्टर द्वारा गुरुवार, 12 नवंबर 2026 को शगुन फार्म्स, जगदलपुर में दीपावली मिलन समारोह 2026 का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में CA सदस्यों ने मनोरंजक गतिविधियों के साथ ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी सत्र में सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 3:30 बजे हुई। प्रथम सत्र में उपस्थित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं सदस्यों के मनोरंजन और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बॉक्स क्रिकेट सहित विभिन्न मनोरंजक खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। सभी सदस्यों ने इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और दीपावली मिलन के इस अवसर का आनंद उठाया।

कार्यक्रम का दूसरा सत्र शाम 6:30 बजे से 'ज्ञान की पाठशाला' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में नितिन जैन, संस्थापक पीसी प्लेनेट, जबलपुर ने GST Compliance, Audits, E-Invoicing एवं Income Tax के नवीनतम नियमों और व्यावहारिक चुनौतियों पर विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि बदलते टैक्स नियमों एवं तकनीकी विकास के दौर में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अपने कार्यों को अधिक सरल, तेज और प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किस प्रकार कर सकते हैं।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी सीए विवेक सोनी द्वारा बताया गया कि सत्र का विशेष आकर्षण TallyPrime के नवीनतम संस्करण 7.2 का लाइव डेमो रहा। जिसमें नितिन जैन ने ढ्ढ आधारित नई सुविधाओं एवं स्मार्ट ऑटोमेशन का व्यावहारिक प्रदर्शन करते हुए बताया कि किस प्रकार TallyPrime 7.2 के माध्यम से अकाउंटिंग, बैंक रिकन्सिलिएशन, डॉक्यूमेंट्स से डेटा एंट्री, GST अनुपालन तथा अन्य व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अधिक आसान और व्यवस्थित बनाया जा सकता है। उपस्थित CA सदस्यों ने नई सुविधाओं को समझा तथा अपने दैनिक पेशेवर कार्यों में इनके उपयोग की संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं ऑटोमेशन भविष्य की अकाउंटिंग व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन तकनीकों को अपनाकर CA प्रोफेशनल्स अपने कार्यों की दक्षता बढ़ाने के साथ क्लाइंट्स को बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन CA नीरव मोतीवाला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी आमंत्रित सदस्यों का अभिवादन वरिष्ठ CA अविनाश जैन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन CA विवेक सोनी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के आयोजन में CA विवेक सोनी (संयोजक) एवं CA नीरव मोतीवाला (सह संयोजक) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मनोरंजन, आपसी सौहार्द एवं ज्ञान के समन्वय से आयोजित यह दीपावली मिलन समारोह जगदलपुर के ष्ट सदस्यों के लिए एक यादगार एवं उपयोगी आयोजन रहा।





प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 122 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, सोमवार 16 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



मित्र वही जो आवश्यकता के समय काम आता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

बस्तर में बंदूक की जगह खेल के मैदान, भय व हिंसा की जगह विश्वास एवं विकास का वातावरण : नवीन

■ जनजातीय समाज का सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि हमारी सरकार का संकल्प : मुख्यमंत्री





रायपुर (विश्व परिवार)। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन अपनी संस्कृति, स्वाभिमान, अधिकारों और मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। जनजातीय गौरव दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि महान जनजातीय नायकों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। राज्यसभा सांसद श्री नितिन नवीन ने आज रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ स्थित ऐतिहासिक दशहरा मैदान में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही।

राज्यसभा सांसद श्री नितिन नवीन ने समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वीरों, बलिदानियों और समृद्ध जनजातीय संस्कृति की पावन धरती है। श्री नवीन ने कहा कि उनकी हार्दिक इच्छा इस ऐतिहासिक आयोजन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने की थी, लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके।

श्री नवीन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को भव्य आयोजन के लिए विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और परंपराओं को सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ प्रदेशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह ने पूरे छत्तीसगढ़ में गौरव और आत्मसम्मान का वातावरण निर्मित किया है।

उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर, शहीद गेंद सिंह, तिलका मांझी, बुधु भगत, टंट्या भील और लक्ष्मण नायक सहित देश के महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। श्री नवीन ने कहा कि जनजातीय समाज सदैव भारत की संस्कृति, सभ्यता, स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता का सशक्त प्रहरी रहा है। प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने की जनजातीय परंपरा आज पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायी है।

उन्होंने छत्तीसगढ़ के गोंड, उरांव, कंवर, बैगा, कमार, हल्बा, मुरिया और माड़िया सहित सभी जनजातीय समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि इन समुदायों की लोककलाएँ, लोकनृत्य, पर्व और परंपराएँ छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान हैं। बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों के माध्यम से जनजातीय संस्कृति को देश-दुनिया में नई पहचान मिल रही है।

श्री नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समाज के सम्मान, सशक्तिकरण और विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर जनजातीय समाज की बेटी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का विराजमान होना पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है।

सीएम साय ने छठ महापर्व पर दिया संध्या अर्घ्य, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

■ मुख्यमंत्री ने तपकरा में छठ घाट निर्माण की घोषणा की, दराखारिका में 4 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा छठ घाट



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के तपकरा में छठ महापर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को संध्या अर्घ्य अर्पित कर छठी मैया से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने सभी को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने तपकरा में छठ घाट निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में छठ महापर्व के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुनकुरी में 5 करोड़ रुपए की लागत से छठ घाट का सौंदर्यीकरण किया गया है, वहीं दराखारिका में 4 करोड़ रुपए की लागत से नए छठ घाट का निर्माण कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था, तपस्या और समर्पण का अनुपम प्रतीक है, जो हमें प्रकृति, जल और सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कौशल्या साय, जनपद अध्यक्ष हेमन्ती साय, श्री भरत साय सहित जनप्रतिनिधि, छठ व्रती महिलाएं एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

बिहार में 10 हजार घाटों पर छठ पूजा

■ लाखों लोगों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया



पटना। महापर्व छठ के तीसरे दिन बिहार के 10 हजार से ज्यादा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना के घाट पर पहुंचे। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने घर पर पूजा की। पटना के मिर्जापुर गांव में घाट की सजावट करने गए चार युवक पुनपुन नदी में डूब गए। एक को रेस्क्यू टीम ने बचा लिया है। 3 अभी भी लापता है। इनकी तलाश जारी है। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं। इनमें करीब 40 लाख लोग ट्रेन, 10 लाख लोग हवाई जहाज, बस और निजी वाहन से लौटकर बिहार आए हैं।

संध्या अर्घ्य संपन्न, छठ घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

लोक आस्था का महापर्व छठ अपने सबसे खास पड़ाव पर पहुंच गया है. रविवार शाम को राज्यभर के गंगा घाटों, नदियों और तालाबों पर व्रती ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया. पटना से लेकर भागलपुर, मुजफ्फरपुर, गया और दरभंगा तक छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही. राजधानी पटना में आज सूर्यास्त शाम 5 बजकर 1 मिनट पर हुआ, जबकि सोमवार सुबह सूर्योदय 6 बजकर 7 मिनट पर होगा. चार दिवसीय छठ महापर्व के पहले दिन 13 नवंबर को नहाय-खाय और 14 नवंबर को खरना संपन्न हुआ. आज 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य दिया गया. 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस महापर्व का समापन होगा.

वैशाली के हाजीपुर स्थित ऐतिहासिक कोनहारा घाट पर रविवार शाम केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय पारंपरिक तरीके से सिर पर दउरा लेकर पहुंचे और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया. संध्या अर्घ्य के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने छठ को प्रकृति, लोक आस्था और विश्वास का महापर्व बताया तथा देश-दुनिया के श्रद्धालुओं के सुख-समृद्धि की कामना की. इस मौके पर नित्यानंद राय ने छठी मैया से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए विशेष आशीर्वाद मांगते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए भगवान भास्कर उन्हें शक्ति प्रदान करें।

स्वनिधि महोत्सव बना जीरो वेस्ट आयोजन की मिसाल

■ बांस की प्लेटों और लकड़ी के चम्मचों से परोसा भोजन, पानी के लिए भी प्लास्टिक मुक्त व्यवस्था



रायपुर (विश्व परिवार)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA) द्वारा राजधानी रायपुर में आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव ने बड़े सार्वजनिक आयोजनों में प्लास्टिक के इस्तेमाल की अनिवार्यता को चुनौती देते हुए पर्यावरण संरक्षण की नई मिसाल पेश की। करीब 2500 लोगों के खानपान, बीसियों फूड स्टॉलों, पेयजल और सजावट की व्यापक व्यवस्थाओं के बावजूद पूरे आयोजन में कहीं भी सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं हुआ। भोजन परोसने के लिए बांस की प्लेटें और लकड़ी के चम्मच अपनाए गए, तो पानी के लिए प्लास्टिक की बोतलों और पाउच का विकल्प तैयार किया गया। सजावट और सूचना पट्टों में भी दोबारा इस्तेमाल होने वाली सामग्री का उपयोग हुआ। यही नहीं, आयोजन के दौरान निकलने वाले कचरे को अलग-अलग संग्रहित कर उसके उचित निस्तारण की व्यवस्था भी की गई।

भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

■ 5वें मैच में 22 रन से हराया, 209 का स्कोर डिफेंड



माउंट माउंगानुई। भारत ने 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज 3-1 से अपने नाम की है। पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला टीम ने 22 रन से जीत लिया। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड में आखिरी बार 2019 में 4-1 से सीरीज जीती थी। माउंट माउंगानुई में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 42.1 ओवर में 209 रन पर ऑलआउट हो गया। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 48.1 ओवर में 187 रन बनाकर सिमट गई। भारत से तेज गेंदबाजों ने मिलकर 7 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने 3 बल्लेबाजों को आउट किया। मोहम्मद सिराज और आकिब नबी को 2-2 विकेट मिले। यश ठाकुर ने एक विकेट लिया। अर्शदीप सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 30 रन देकर 3 विकेट झटके। साथ ही 4 गेंद में 14 रन बनाए। भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-1 से जीत ली। इसके साथ भारत ने न्यूजीलैंड में सबसे ज्यादा वनडे मैच जीतने के मामले में पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया।

इस सीरीज में भारत ने दो और बड़े रिकॉर्ड बनाए। न्यूजीलैंड का अपने घर में लगातार 11 द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने का सिलसिला तोड़ा और 7 साल बाद उसे घरेलू सीरीज में हराया। वहीं, गौतम गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम ने पहली बार विदेशी जमीन पर वनडे सीरीज जीती। भारत ने न्यूजीलैंड में अब तक 17 मैच जीते हैं, जबकि पाकिस्तान के नाम 15 जीत हैं। इस सूची में ऑस्ट्रेलिया 31 जीत के साथ सबसे आगे है।

कांग्रेस को शुरु से 'आदिवासियों' से कोई सरोकार नहीं है : कश्यप

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद महेश कश्यप ने धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 151वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस, इन दोनों ही विषयों पर सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट शेयर नहीं करने के लिए कांग्रेस के विधायकों व जिला अध्यक्षों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। श्री कश्यप ने कांग्रेस के 21 विधयकों व 27 जिला अध्यक्षों की सूची साझा करते हुए कहा कि 'जनजातीय समाज' और 'आदिवासी' को लेकर निरर्थक और षड्यंत्रपूर्ण नैरेटिव सेट करने में जुटे कांग्रेस नेताओं का जनजाति-विरोधी चरित्र बेनकाब हो गया है। भाजपा सांसद श्री कश्यप ने दो टूक कहा कि कांग्रेस को शुरू से न 'जनजाति' से, और न ही 'आदिवासी' से कोई सरोकार रहा है। कांग्रेस का समूचा इतिहास तो जनजातीय समाज के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, राजनीतिक शोषण की कलंक-कथाओं का दस्तावेज है।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी देशवासियों को दीं छठ महापर्व की शुभकामनाएं



नई दिल्ली। लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर मैं देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। यह पर्व सूर्य देव एवं छठी मैया के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाला यह पावन त्योहार तप, संयम और निष्ठा के माध्यम से हमारी सांस्कृतिक परंपराओं की महत्ता को दर्शाता है।

राष्ट्रपति ने आगे लिखा, इस पर्व पर श्रद्धालु सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित कर सुख, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। यह त्योहार हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। मेरी मंगलकामना है कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख-शांति की वृद्धि करे तथा देश में प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा दे। आइए, इस अवसर पर हम नदियों और अन्य जलस्रोतों को संरक्षित करने के प्रति अपनी जिम्मेदारी को दृढ़तापूर्वक निभाने का संकल्प लें। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, छठ महापर्व पर संध्या अर्घ्य के पावन अवसर पर सभी व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। छठ हमारी संस्कृति की अनूठी परंपरा है, जहां उगते हुए सूर्य के साथ-साथ अस्ताचलगामी सूर्य को भी अर्घ्य देकर सम्मान दिया जाता है। भगवान भास्कर और छठी मइया सभी के जीवन में सुख और आरोग्य बनाए रखें।

नक्सलवाद के खात्मे की घोषणा के बाद बड़ा कदम

■ सीआरपीएफ ने छत्तीसगढ़ से एक बटालियन हटाकर मणिपुर भेजी



नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने छत्तीसगढ़ में नक्सल-रोधी अभियानों के लिए तैनात अपनी एक बटालियन को हटाकर मणिपुर भेज दिया है। यह घटनाक्रम किसी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल इकाई की पहली ऐसी वापसी है, जो केंद्र सरकार द्वारा भारत में नक्सलवाद के मार्च में खत्म होने की घोषणा के बाद हुई है। पश्चिम बंगाल चुनाव, अमरनाथ यात्रा और दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों जैसी विभिन्न आंतरिक सुरक्षा जिम्मेदारियों के लिए कंपनियों (बटालियन का हिस्सा) को अस्थायी रूप से वहां से हटा लिया गया है। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह बटालियन (करीब एक हजार जवान) छत्तीसगढ़ के दक्षिणी बस्तर क्षेत्र के सुकमा में तैनात थी, जो पहले माओवादियों का गढ़ हुआ करता था। उन्होंने बताया कि गत कुछ वर्षों से ये जवान इलाके में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) विरोधी अभियान चला रहे थे और मार्च के बाद इसने बारूदी सुरंगों को हटाने तथा संवर्धित विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) को निष्क्रिय करने का काम किया। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ मुख्यालय ने छत्तीसगढ़ से एक 'जनरल ड्यूटी' बटालियन को वापस बुलाने और उसे करीब तीन साल से जातीय हिंसा से गुजर रहे पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में तैनात करने का आदेश दिया है। दिल्ली में तैनात एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि मार्च में देश से सशस्त्र माओवाद के खत्म होने की घोषणा के बाद, नक्सल-विरोधी अभियान क्षेत्र से किसी अर्द्धसैनिक इकाई की यह पहली पूर्ण वापसी है।

जनजातीय गौरव दिवस पर मिजोरम को बड़ी सौगात, पीएम मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का किया उद्घाटन



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वर्चुअल माध्यम से मिजोरम के केलसिह में स्थित रोपुइलियानी जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन किया। इसका उद्घाटन जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर किया गया, जो महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। रोपुइलियानी उन शुरुआती आदिवासी नेताओं में से थे, जिन्होंने पहले के लुशाई हिल्स (जो अब मिजोरम है) में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का विरोध किया था। स्वतंत्रता सेनानी को अंग्रेजों ने गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया था और बाद में उन्हें आज के बांग्लादेश में चटगांव हिल ट्रैक्ट्स (सीएचटी) के रंगमती ले जाया गया, जहां जनवरी 1895 में कैद में उनकी मौत हो गई। लभगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर देशभर में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। मिजोरम के आइजोल जिले के आइबॉक ब्लॉक में स्थित ग्रामीण गांव और उभरते पर्यटन स्थल केलसिह के जनजातीय अनुसंधान संस्थान में रोपुइलियानी जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय की स्थापना की गई है। मिजोरम सरकार की तरफ से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, म्यूजियम कॉम्प्लेक्स में एक म्यूजियम बिल्डिंग, एक ओपन-एयर थिएटर, एक पारंपरिक झोपड़ी, एक हेरिटेज वॉक, बिरसा मुंडा ट्राइबल प्राइड गार्डन, एक कैफेटेरिया और स्टाफ क्वार्टर जैसी दूसरी सुविधाएं शामिल हैं। उद्घाटन से पहले मिजोरम के गवर्नर सेवानिवृत्त जनरल डॉ. विजय कुमार सिंह ने 10 नवंबर को संग्रहालय का दौरा कर उद्घाटन की तैयारियों और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था। यह म्यूजियम भारत की आजादी की लड़ाई में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और बलिदान को याद करने और देश के स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका को दिखाने के लिए केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने बनाया है। अपने दौरे पर गवर्नर ने म्यूजियम को राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में मिजो स्वतंत्रता सेनानियों के साहस, बलिदान और योगदान के लिए एक खास श्रद्धांजलि बताया। उन्होंने कहा कि यह संस्था मिजोरम और देश दोनों के लिए एक कीमती विरासत के तौर पर काम करेगी। साथ ही आने वाली पीढ़ियों को आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के इतिहास और विरासत के बारे में प्रेरित करने और शिक्षित करने में भी अहम भूमिका निभाएगी। गवर्नर ने देशभर और बाहर से आने वाले विजिटर्स, रिसर्चर्स और टूरिस्ट्स को आकर्षित करने के लिए म्यूजियम को एक वर्ल्ड-क्लास सुविधा के तौर पर डेवलप करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

'भारत को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर बदनाम करके नहीं मिलेगी सत्ता'

■ अमित शाह का राहुल गांधी पर निशाना



पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय पुणे दौरे पर हैं। आज उन्होंने पुणे में एक रैली को संबोधित किया और इस दौरान कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा।शाह ने कहा, मैं राहुल गांधी को एक सलाह देना चाहता हूं। इस तरह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को बदनाम करके आपको सत्ता नहीं मिलेगी। अगर आप सत्ता चाहते हैं, तो अपने विदेशी दौरे बंद करें और भारत के गांवों में जाना शुरू करें। तब शायद कभी आपका भी नंबर आ जाए। अभी आप जो कर रहे हैं, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने की कोशिश है, जिनके नेतृत्व की पूरी दुनिया तारीफ कर रही है और जो भारत की विकास यात्रा को दुनिया के सामने रख रहे हैं। आप तो शायद मेरी बात नहीं मानेंगे, इसलिए मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहना चाहता हूं कि अगर आप इसी रास्ते पर उनके पीछे चलते रहे, तो अगले 30 सालों तक आपका नंबर नहीं आने वाला। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी लगातार तीन बार चुनाव हारने की अपनी हताशा को अलग-अलग तरीकों से निकाल रही है। पिछले दो दिनों में ही कांग्रेस पार्टी ने हैदराबाद में 'भारत समिट 2026' का आयोजन किया। उन्होंने देश-विदेश से वामपंथी विचारधारा के समर्थकों को भारत बुलाया और कांग्रेस के 'युवराज' भी वहाँ पहुंचे।

1 लाख से अधिक को मिलेगी सरकारी नौकरी : योगी



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के दूसरे चरण का शुभारंभ करते हुए प्रदेश के 25 लाख और युवाओं को टैबलेट देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी तक एक लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र भी दिए जाएंगे। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री ने लखनऊ, सीतापुर, हरदोई और उन्नाव के 53 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरित किए। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 60 लाख युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन दिए जा चुके हैं।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, सोमवार 16 नवंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

शतरंज में शानदार शतक

2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर बने हैं। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चैंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। यह सचमुच गर्व की बात है। दीपावली के दिन अनुज श्रीवात्री भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बने। ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाला भारत चौथा देश बना है। अब सिर्फ रूस, अमेरिका, और जर्मनी ही के पास भारत से अधिक ग्रैंडमास्टर हैं। जर्मनी से भारत का फासला अब सिर्फ तीन ग्रैंडमास्टर्स का बचा है। शतरंज में भारत की यह अनूठी उपलब्धि है। इस यात्रा में भारत कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसका अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि जहां पहले दस ग्रैंडमास्टर बनने में 15 साल लगे थे, वहीं पिछले दस ग्रैंडमास्टर सिर्फ एक साल में बने हैं। दरअसल, 2025 से 2026 में अब तक 15 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा हासिल कर लिया है। 1988 में विश्वनाथन आनंद पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने यह दर्जा हासिल किया। उन्हें आज भी वह प्रेरणा-स्रोत समझा जाता है, जिन्होंने भारतीय नौजवानों को विश्व स्तर पर सर्वोच्च पहचान बनाने का आत्म-विश्वास दिया। अब आत्म-विश्वास से भरे ऐसे खिलाड़ियों की एक पूरी फौज तैयार हो चुकी है। आनंद का विश्व चैंपियन बनना तब एक अद्भुत सफलता मालूम पड़ी थी, जबकि आज ऐसी कामयाबियां सामान्य अनुभव का हिस्सा बनने लगी हैं। यह विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में हुई तेज प्रगति का एक प्रमुख कारण कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन को माना जाता है। शतरंज के मामले में उन मुसीबतज़दा दिनों का प्रभाव बिल्कुल अलग रहा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शतरंज की लोकप्रियता में तब भारी वृद्धि देखी गई। घरों में रह कर लाखों बच्चों और युवाओं ने ऑनलाइन शतरंज सीखा और खेला। इस डिजिटल बूम ने प्रतिभाओं निखारने में मदद की। इसका श्रेय भारतीय शतरंज संघ और निजी अकादमियों को भी दिया जाएगा, जिन्होंने महामारी के दौरान ऑनलाइन कोचिंग और वर्चुअल टूर्नामेंटों को बढ़ावा दिया। नतीजा, ये उपलब्धियां हैं। 2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा प्राप्त किया है। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चैंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। शरतंज में मुकाबला विकसित देशों के साथ होता है, इसलिए यह सचमुच गर्व की बात है कि भारत इसमें सुपरपॉवर बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

राजनीति में क्यों आएं युवा वर्ग

डा. वरिंदर भाटिया



यह समझना आवश्यक है कि युवा ही किसी देश का वर्तमान और भविष्य दोनों हैं। उन्हें देश की नीतियों, राजनीतिक मुद्दों और सामाजिक चुनौतियों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। राजनीति से दूरी बनाकर, वास्तविक परिस्थितियों की अनदेखी करके और देश में चल रही घटनाओं के प्रति आंखें मूंदकर हम अपने ही राष्ट्र के भविष्य के साथ अन्याय कर रहे हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं है कि युवा राजनीति से दूर रहें, बल्कि आवश्यकता इस राजनीति से दूरी की नहीं, युवाओं की सक्रिय भागीदारी की है। समय की मांग है कि युवा सकारात्मक राजनीति के समर्थक बनें आमतौर पर एक सामान्य व्यक्ति शांतिप्रिय, ईमानदार, सहयोगी और अपने काम से काम रखने वाला होता है। वह समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखना चाहता है। इसके विपरीत राजनीति में प्रवेश करने वाले अनेक लोग महत्वाकांक्षी हो जाते हैं और किसी न किसी तरह सत्ता एवं प्रभाव हासिल करने की कोशिश करते हैं। प्रसिद्ध नाटककार जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने अपने नाटक 'द एप्पल कार्ट' में आम जनता और राजनेताओं के संबंधों पर व्यंग्य करते हुए एक रोचक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके अनुसार आम जनता पांच वर्षों के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनती है और उन्हें एक गुब्बारे में बैठाकर ऊपर भेज देती है। गुब्बारे में बैठे राजनेता पांच वर्षों तक जनता से दूर रहते हैं, जबकि जनता उनसे किए गए वादों को पूरा होने की उम्मीद में आसमान की ओर देखती रहती है। इस दौरान आम आदमी की जेब खाली होती जाती है। पांच साल बाद गुब्बारा वापस आता है और फिर वही प्रक्रिया दोहराई जाती है। परिणामस्वरूप आम आदमी और गरीब होता जाता है, जबकि राजनेता अधिक समृद्ध होते जाते हैं। इस प्रकार राजनीति कई बार आम जनता के शोषण का माध्यम बनती दिखाई देती है। इसे युवा ही रोक सकते हैं। महात्मा गांधी ने भी राजनीति के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था, 'जो व्यक्ति यह कहता है कि उसे राजनीति में कोई रुचि नहीं है, वह उस डूबते हुए व्यक्ति के समान है जो कहता है कि उसे पानी में कोई रुचि नहीं है।' इस विषय पर आगे बढ़ने से पहले यह समझना आवश्यक है कि राजनीति का वास्तविक अर्थ क्या है। दुर्भाग्यवश, अधिकांश लोगों के मन में राजनीति को लेकर नकारात्मक धारणा बनी हुई है। वे इसे भ्रष्टाचार, अनैतिकता और अनुचित हथकंडों का खेल मानते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि राजनीति का संबंध किसी देश या क्षेत्र के शासन, प्रशासन और नीतियों के निर्माण से है। पुराने घाघ नेताओं की मौजूदगी के चलते भारतीय राजनीति में प्रवेश करना किसी युवा के लिए अब आसान नहीं है। इसके लिए आर्थिक रूप से मजबूत होना और जनता के बीच अच्छी पहचान तथा समर्थन होना बहुत जरूरी है। एक आम आदमी जो बड़ी मुश्किल से अपना घर चलाता है और अपनी जरूरतों पर ही पैसा खर्च करता है, उसके लिए किसी राजनीतिक पार्टी से चुनाव लड़ने का टिकट पाने के लिए लाखों या करोड़ों रुपए खर्च करना आसान नहीं है। अगर कोई व्यक्ति निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ना चाहता है, तो उसे भी अपने प्रचार-प्रसार और चुनाव जीतने के लिए काफी पैसा खर्च करना पड़ता है। दूसरी बड़ी समस्या जनता का समर्थन हासिल करना है। ऐसे में किसी युवा, योग्य और ईमानदार व्यक्ति के लिए जनता का समर्थन हासिल करना कठिन हो सकता है। इसके अलावा भारतीय राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे कुछ उम्मीदवारों और नेताओं की मौजूदगी भी एक चिंता का विषय है। ऐसे माहौल में एक सामान्य व्यक्ति के लिए अपनी जगह बनाना और राजनीति में टिके रहना आसान नहीं होता। इन मुश्किलों के बावजूद युवा यह भी सोचें कि हम 21वीं सदी में रह रहे हैं, जहां एक ओर दुनिया तेजी से एक-दूसरे के करीब आ रही है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर अस्थिरता भी बढ़ रही है। ऐसे समय में देश को सही दिशा में आगे ले जाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी के कंधों पर है। देश की प्रगति, शांति और स्थिरता के लिए युवाओं का जागरूक और जिम्मेदार होना बेहद जरूरी है। आज शिक्षा, खेल और राजनीति जैसे जीवन के विभिन्न क्षेत्र एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि आपस में जुड़े हुए हैं। जब 18 वर्ष की आयु में किसी युवा को मतदान का अधिकार दिया जाता है और वह वाहन चलाने के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकता है, तो फिर उसी उम्र में उसे राजनीति के प्रति जागरूक होने से क्यों रोका जाए? यदि हम उसे देश के लिए योग्य राजनीतिक नेतृत्व चुनने में सक्षम मानते हैं, तो देश की राजनीतिक गतिविधियों में उसकी रुचि और समझ भी आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। देश की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। इसका अर्थ है कि भारत के राजनीतिक भविष्य को निर्धारित करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के युवाओं के लिए देश की राजनीतिक परिस्थितियों से परिचित होना और विश्वभर में हो रहे राजनीतिक बदलावों पर नजर रखना आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपने देश, संविधान, मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों, राजनीतिक दलों तथा उनके चुनावी एजेंडों की जानकारी होनी चाहिए। इससे उनमें सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और जागरूकता विकसित होगी। जब किसी देश की युवा शक्ति एक साझा उद्देश्य के लिए एकजुट होती है, तो वह एक अपराजेय ताकत बन जाती है। कुछ लोगों का मानना हो सकता है कि राजनीति में रुचि लेने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। लेकिन यह धारणा पूरी तरह उचित नहीं है। राजनीति की जानकारी प्राप्त करना शिक्षा में बाधा नहीं, बल्कि व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। इससे युवाओं को समाज और दुनिया को बेहतर ढंग से समझने, जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पहचानने में सहायता मिलती है। राजनीति में सक्रिय रूप से शामिल होना हर युवा के लिए जरूरी नहीं है, लेकिन राजनीतिक रूप से जागरूक होना प्रत्येक नागरिक के लिए महत्वपूर्ण है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन लाने में युवाओं ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर और शहीद भगत सिंह जी जैसे महान व्यक्तित्वों ने अपनी युवावस्था में ही सामाजिक एवं राजनीतिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यदि उस दौर के युवाओं ने अन्याय के विरुद्ध आवाज न उठाई होती, तो शायद उनके देशों का इतिहास कुछ और होता। अंततः यह समझना आवश्यक है कि युवा ही किसी देश का वर्तमान और भविष्य दोनों हैं। उन्हें देश की नीतियों, राजनीतिक मुद्दों और सामाजिक चुनौतियों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। राजनीति से दूरी बनाकर, वास्तविक परिस्थितियों की अनदेखी करके और देश में चल रही घटनाओं के प्रति आंखें मूंदकर हम अपने ही राष्ट्र के भविष्य के साथ अन्याय कर रहे हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं है कि युवा राजनीति से दूर रहें, बल्कि आवश्यकता इस राजनीति से दूरी की नहीं, युवाओं की सक्रिय भागीदारी की है। समय की मांग है कि युवा देश हित में स्वच्छ, जागरूक, जिम्मेदार और सकारात्मक राजनीति के समर्थक बनें। पूरी दुनिया में युवा अपने अपने देश में राजनीतिक भागीदारी के लिए संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि जागरूक युवा ही सशक्त लोकतंत्र और समृद्ध राष्ट्र की नींव रख सकते हैं।

आलेख

दम के साथ सड़क पर उतरी भाजपा

एस. सुनील

सामान्य ढंग से प्रतिक्रिया देने की बजाय भाजपा पलटवार करने के रास्ते पर चल रही है और इसकी कमान संभाली है खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने। भाजपा पूरे देश में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा कर रही है। तेलंगाना में अमित शाह खुद तिरंगा झंडा लेकर सड़क पर उतरे और पदयात्रा का नेतृत्व किया। भारतीय जनता पार्टी दम दिखा रही है। कुछ लोगों को ऐसा लग रहा था कि भाजपा सत्ता में है और वह सड़क पर संघर्ष करना भूल गई है। वे यह भी संदेश बना रहे थे कि सड़क पर तो कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों का नियंत्रण है। जून और जुलाई में जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद यह संदेश ज्यादा व्यापक हो गया था। कांग्रेस और पारंपरिक विपक्षी पार्टियों के साथ साथ सिविल सोसायटी भी सड़क पर दिख रही थी। उसकी प्रतिनिधि के तौर पर कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन कर रही थी। कहा जा रहा था कि युवा केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी से नाराज हैं। इससे एक विमर्श राष्ट्रीय स्तर पर बन रहा था। दिख भी रहा था कि भाजपा बैकफुट पर आई है, डिफेंसिव है और विपक्ष की ओर से तय किए गए नैरेटिव पर प्रतिक्रिया दे रही है। अब स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। अब भाजपा प्रतिक्रिया नहीं दे रही है, बल्कि संसद के साथ साथ सड़क पर भी नियंत्रण हासिल कर रही है। इसमें कोई दो राय ही नहीं है कि चुनावी राजनीति में भाजपा बाकी पार्टियों से बहुत आगे है। लेकिन अब वह दिखा रही है कि प्रदर्शन की राजनीति में भी वह बाकियों से आगे है। असल में इलेक्टोरल पॉलिटिक्स बनाम प्रोटेस्ट पॉलिटिक्स का जो नैरेटिव बना था उसमें भाजपा ने अपनी पोजिशन रिक्लेम की है। अब वह विपक्ष को उसके अंदाज में जवाब दे रही है। कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और कांग्रेस की रैली के बाद भाजपा अब जो कर रही है वह भाजपा का रिएक्शन नहीं है, बल्कि रिस्पांस है। इन दोनों में बहुत बारीक फर्क है। भाजपा पहले रिएक्ट कर रही थी, अब रिस्पांस दे रही है और भाजपा का रिस्पांस ऐसा है कि अब कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां बैकफुट पर हैं। सामान्य ढंग से प्रतिक्रिया देने की बजाय भाजपा पलटवार करने के रास्ते पर चल रही है और इसकी कमान संभाली है खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने। भाजपा पूरे देश में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा कर रही है। तेलंगाना में अमित शाह खुद तिरंगा झंडा लेकर सड़क पर उतरे और पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने इसके जरिए दो मैसेज दिए। पहला मैसेज बहुत बारीक है। उन्होंने कांग्रेस को वहां टारगेट किया, जहां उसे सबसे ज्यादा तकलीफ हो। साथ ही उन्होंने यह मैसेज दिया कि दक्षिण भारत में कर्नाटक के बाद तेलंगाना भाजपा की उम्मीदों का प्रदेश है। दूसरा मैसेज बहुत स्पष्ट था। अमित शाह ने कहा कि सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार है। वहां उन्होंने राहुल गांधी को बहस करने की चुनौती दी। इसके बाद भी जब राहुल गांधी संसद से बाहर ही बहस के लिए अड़े रहे तो अमित शाह ने हरियाणा की पदयात्रा में कहा कि भाजपा का कोई भी सामान्य कार्यकर्ता किसी भी चौराहे पर राहुल गांधी से बहस करने को तैयार है। इस तरह भाजपा ने संसद में और संसद के बाहर किसी भी सार्वजनिक जगह पर बहस का दांव चल दिया है। भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को आम जनता से भी जोड़ा। भाजपा ने यह मैसेज बनवाया कि कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां अराजकता के जरिए सत्ता परिवर्तन की बात कर रही हैं। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है क्योंकि भारत के नागरिकों के मन में और भारतीय समाज में भी लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। कोई भी सामान्य मतदाता यह कतई नहीं चाहेगा कि अराजकता के जरिए या अलोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन की बात हो। रही सही कसर कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों और प्रदर्शन में शामिल लोगों ने पूरी कर दी। पहले सीपीआई एमएल की छात्र नेता नेहा बोरा ने कहा कि वे बांग्लादेश के प्रदर्शन से प्रेरणा लेती हैं।

अतीत से आकर्षित, वर्तमान से सम्मोहित!

सत्येन्द्र रंजन

राजनीति में 'श्रमिक वर्ग' की वापसी एक तथ्य है, जिसे फर्जी बहसों से कुछ समय तक ही रोका जा सकता है। समझने की बात है कि सोवियत मोह या चाइना-मैक्सिंग अपने-आप में कोई स्वतंत्र परिघटना नहीं हैं। ये युवाओं की बदलती प्राथमिकता और राजनीति के मूड में आ रहे बदलावों का संकेत भर हैं।

यह चर्चा तो पहले भी रही है, लेकिन पश्चिम के दक्षिणपंथी हलकों को यह परेशान करने की हद तक पहुंच गई है, इसका अंदाजा ब्रिटेन की कंजरवेटिव पत्रिका द स्पेक्टेटर में प्रकाशित एक लेख को पढ़ते हुए हुआ। लेख का शीर्षक है- ल्द्दठ्ठ ँ द्वह्य द्बड्डद्यद्यद्बठ्ठद्द द्बश्रह्व ह्लद्धद्द स्प1द्बद्दह्ल ठ्ठद्बश्ठ यानी ज़ेन-जी सोवियत संघ के मोहपाश में फंस रहा है।

गौरतलब है: सोवियत संघ के विघटन को लगभग चार दशक होने को आ रहे हैं। इस दौर में पश्चिम के दक्षिणपंथी और लिबरल बुद्धिजीवी घोषणा करते रहे हैं कि सोवियत संघ जिस वैचारिक युग का प्रतीक था, वह इतिहास के पन्नों में दफन हो चुका है। अक्सर, इस सिलसिले में लिबरल राजनीति-शास्त्री फ्रांसिस फुकुयामा की इतिहास का अंत॥ होने की उद्घोषणा को याद किया जाता है, जिसके जरिए उन्होंने दावा किया था कि लिबरल-पूंजीवादी लोकतंत्र की अंतिम विजय हो गई है और अब यही मानवता का भविष्य है। लेकिन अब, जैसाकि द स्पेक्टेटर में जिक्र हुआ है, पश्चिमी देशों की युवा पीढ़ीफिर से सोवियत इतिहास, संस्कृति और प्रतीकों को लेकर एक अजीब और अप्रत्याशित आकर्षण दिखा रही है। 'द स्पेक्टेटर' के लेख में इस पर गहराई से चर्चा की गई है कि आधुनिक युवा सोवियत संघ के प्रति क्यों आकर्षित हो रहे हैं? हालांकि अपने दक्षिणपंथी रुझानों के कारण इस आलेख के लेखक इवो डेलिंगपोल ने अपनी इस धारणा पर भी बार-बार जोर दिया है कि यह आकर्षण मुख्य रूप से किसी गहरी वैचारिक या राजनीतिक प्रतिबद्धता का परिणाम नहीं है। यह बस एक सांस्कृतिक और सौंदर्यशास्त्रीय घटना है। बहरहाल, वे स्वीकार करते हैं कि सोवियत संघ के राष्ट्रगान की धुन पर वीडियो बनाना, पुरानी स्लाविक शैलियों के परिधानों को पहनना, और सोवियत काल की 'ब्रूटलिस्ट' वास्तुकला पर भव्य बनी इमारतों के वीडियो को रील्स के रूप में साझा करना आज के युवाओं के बीच एक बड़ा ट्रेंड बना हुआ है। डेलिंगपोल ने स्वीकार किया है कि जेन-जेड पीढ़ी के लिए सोवियत इतिहास शीत युद्ध के खौफ, वैचारिक दमन, या कम्युनिस्ट तानाशाही की दर्दनाक वास्तविकताओं से कोसों दूर है। उनके लिए यह सिर्फ एक 'कूल', रहस्यमयी और विजुअल रूप से आकर्षक शैली बना हुआ है, जिसे वे अपनी ऑनलाइन पहचान का हिस्सा बना रहे हैं। लेकिन हकीकत यह है कि इस प्रवृत्ति के पीछे केवल फैशन ही कारण नहीं है। बल्कि सामाजिक-आर्थिक पहलू भी इसके पीछे छिपे हैं। मसलन, अनेक युवा आधुनिक पूंजीवादी व्यवस्था की खामियों, बढ़ती महंगाई, आवास संकट और आर्थिक अस्थिरता से निराश हैं और वे व्यवस्था के विकल्प के रूप में समाजवादी विचारधारा की ओर झुकाव महसूस करने लगे हैं। मुमकिन है कि कुछ युवाओं के लिए (जैसाकि डेविंगपोल ने कहा है) यह केवल इतिहास के प्रति एक सतही जिज्ञासा भर हो, लेकिन इससे इस प्रश्न का जवाब नहीं मिलता कि आखिर यह जिज्ञासा सोवियत संघ के प्रति ही क्यों पैदा हुई है? उन्होंने कहा है कि इन प्रतीकों को केवल एक स्टाइलिश काउंटर-कल्चर के रूप में पेश किया जा रहा है, तो फिर सवाल वही है- आखिर काउंटर कल्चर के स्रोतों की तलाश उस व्यवस्था में युवा क्यों कर रहे हैं, जिसे बदनाम करने में पश्चिमी पूंजीवाद ने अपनी पूरी ताकत झोंके रखी है? बदनाम करने की वैसी ही मुहिम अतीत में कम्युनिस्ट चीन के खिलाफ भी चली, जो थोड़े समय तक मद्धम पड़ने के बाद अब फिर से बड़े प्रोपेगैंडा कैंपन का रूप लिए हुए है। मगर इस कहानी का दूसरा पहलू यह है कि इस प्रचार अभियान के बावजूद चीन के प्रति पश्चिमी युवाओं में आकर्षण बढ़ता चला गया है- इस हद तक कि इस परिघटना को चिह्नित करने के लिए चाइना-मैक्सिंग शब्द का इज़ाद किया गया है। चाइना-मैक्सिंग सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुआ नया ट्रेंड है, जिसमें खासकर पश्चिमी देशों के युवा चीन की संस्कृति, जीवन शैली, खान-पान, तकनीक और सामाजिक तौर-तरीकों को अपनाने तथा उनकी प्रशंसा करने लगे हैं। जाहिरा तौर पर इस शब्द के दो हिस्से हैं- ष्टद्धद्बठ्ठड्डु और रूड्ड××द्बठ्ठद्द। रूड्ड××द्बठ्ठद्द का अर्थ है इंटरनेट की भाषा में किसी चीज को अधिकतम स्तर तक अपनाना या उसमें खुद को पूरी तरह ढालना। इसके कारणों को समझने की कोशिश में विश्लेषकों ने कहा है कि यह चीन की आर्थिक और तकनीकी उपलब्धियों के प्रति बढ़ती दिलचस्पी और पश्चिमी समाज की मौजूदा जीवन शैली से उपजे असंतोष का मिला-जुला संकेत देते है। चाइना-मैक्सिंग को समझने के प्रयास में अमेरिकी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने एक खास स्टोरी प्रसारित की थी। उसके मुताबिक चाइना-मैक्सिंग से प्रभावित युवा सुबह गर्म पानी पीने लगे हैं, नाश्ते में चावल और कॉजी (ष्टश्ठद्दद्गद्द) जैसे चीनी भोजन अपना रहे हैं, घर में चप्पल पहनने और पारंपरिक चीनी स्वास्थ्य पद्धतियों को अपनाने लगे हैं, ताई ची और चीन के पारंपरिक व्यायाम में दिलचस्पी ले रहे हैं, चीनी फैशन, संगीत, फिल्म, तकनीक और उत्पादों की प्रशंसा कर रहे हैं, और चीन की हाई-स्पीड रेल, आधुनिक शहरों, और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की सराहना कर रहे हैं। इसका एक लोकप्रिय सोशल मीडिया वाक्य है- ड्डश्रह्व द्वद्गह्व द्वद्ग ड्डह्व ड्ड 1द्गह्व4 ष्टद्धद्बठ्ठद्गह्वद्ग ह्लद्धद्बद्ग द्बठ्ठ द्ब4 द्यद्बद्धद्बद्ग (यानी आप मुझसे जिंदगी के उस दौर में मिले, जो चीन का युग है।) यह ट्रेंड 2025 में उभरना शुरू हुआ। जनवरी-फरवरी 2026 में टिकटॉक तथा इंस्टाग्राम पर यह तेजी से लोकप्रिय हुआ।

नगद ईनाम समारोह में प्रशिक्षकों की उपेक्षा क्यों

भूपिंदर सिंह

आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है, क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। हिमाचल में खेल व खिलाड़ियों से मजाक किया जा रहा है और प्रशिक्षकों को तो खेल पटल से ही गायब कर दिया है। देश में ओलंपिक आयोजन की बात हो रही है और हिमाचल में जो अपने दम पर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं, उनके साथ भद्दा मजाक चल रहा है अक्तूबर माह की अंतिम तिथि को हुए हिमाचल प्रदेश खेल विभाग के नगद ईनाम समारोह में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को पदक जीतने व प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को उचित व सम्मान के साथ नगद ईनाम दिया गया। साथ ही साथ खेल विभाग में कार्यरत प्रशिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षक या टैक्निकल आफिशियल के रूप में प्रतिनिधित्व करने पर तीन-तीन लाख रुपए का नगद ईनाम सम्मान के साथ दिया गया, मगर वहीं पर खेल विभाग के बाहर कार्य करने वाले प्रशिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रशिक्षक के रूप में प्रतिनिधित्व करने पर सम्मानित करने की जगह शिमला बुलाकर उनकी अनदेखी कर अपमान किया, वह बहुत शर्मनाक था। करोड़ों रुपए जीतने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षकों को न तो स्टेज पर बुलाया और न ही उन्हें नगद ईनाम दिया गया, जैसा केंद्र सरकार देती है। प्रशिक्षकों के साथ इस तरह की बदतमीजी कर क्या प्रदेश में खेलों का कभी भला हो सकता है? क्या अभी भी हिमाचल में खेलों के लिए वातावरण नहीं बन पाया है, जिसमें खिलाड़ी व प्रशिक्षक का सम्मान हो। हिमाचल प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को उनके द्वारा जीते गए पदकों के अनुसार नगद ईनाम दिया, मगर उनके प्रशिक्षकों को इस बार भी नगद ईनाम नहीं दिया गया, जबकि नई खेल नीति में खिलाड़ी के प्रशिक्षक को भी नगद ईनाम का प्रावधान है। खेल विभाग क्यों प्रशिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है, यह समझ से परे है। सीमा व सावन को शुरुआती दौर में तराशने वाले प्रशिक्षकों केहर सिंह पटियाल व गोपाल ठाकुर का किसी ने नाम तक नहीं लिया। केहर सिंह पटियाला तो आए ही नहीं, मगर गोपाल ठाकुर अंत तक अपने नाम की घोषणा का इंतजार करते रहे। यही हाल कबड्डी में प्रशिक्षक रतन ठाकुर, मेहर चंद वर्मा व पूजा ठाकुर का भी रहा। वे भी स्टेज पर अपने ट्रेनी को दूर से ही देख पाए। विजेता खिलाड़ियों का भी अपने प्रशिक्षकों पर



ध्यान नहीं गया। यह बहुत शर्मनाक व पीड़ादायी रहा। हैंडबाल के कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को नगद ईनाम मिला, मगर उनकी प्रशिक्षक स्नेहलता का नाम तक नहीं लिया गया। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रशिक्षक जौनी चौधरी का नाम भी स्टेज पर नहीं लिया गया, परन्तु उनके अंतरराष्ट्रीय शिष्य जरूर अपने गुरु को अपने साथ स्टेज पर लेकर गए। किसी भी खिलाड़ी को परशुराम अवार्ड व प्रशिक्षक को गुरु वशिष्ठ अवार्ड क्यों नहीं दिया गया? खिलाड़ियों को प्रशिक्षकों ने ही तराशा है। क्या वे नगद ईनाम के हकदार नहीं हैं? हिमाचल के कुछ पुराने एशियाई स्तर के खिलाड़ियों को शाल-टोपी तो जरूर दी, मगर वहां हिमाचल के एकमात्र ओलंपियन आशीष चौधरी को स्टेज पर तब बुलाने लगे, जब वह वहां से जा चुका था। पैरा ओलंपिक पदक विजेता व हाल ही में पैरा एशियन खेलों में दो स्वर्ण पदक विजेता निषाद कुमार को पिछले किसी पदक की ईनामी राशि तो जरूर दी, मगर हाल ही में अर्जित की गई दो स्वर्ण पदकों का नाम तक नहीं लिया गया। क्या एंकर को पता नहीं था? डेढ़ सौ करोड़ की आबादी में पहले तीन स्थानों पर आने वाले राष्ट्रीय पदक विजेताओं के साथ तो बहुत ही बुरा व्यवहार हुआ। एक साथ पूरे जिले के पचास से भी अधिक राष्ट्रीय पदक विजेताओं को सम्मानित करने की जगह जलील करना हर खेल प्रेमी को बहुत बुरा लगा। राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए वर्षों की कठिन ट्रेनिंग चाहिए होती है। तब राष्ट्रीय स्तर पर एथलीट पदक जीतता है। हर अभिभावक चाहता है कि उसके राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी व उसके प्रशिक्षक का शाल-टोपी व नगद ईनाम के साथ स्टेज पर सम्मान हो, मगर यहां पर खिलाड़ियों को दर्जनों की संख्या में केवल स्टेज के ऊपर-नीचे खड़ा कर बिना शाल-टोपी व ईनाम के वापस भेज देना बहुत बड़ा मजाक खिलाड़ियों के साथ शिमला में किया गया। कुछ राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को समारोह में बुलाया ही नहीं गया। यह क्या मजाक चल रहा है? राष्ट्रीय पदक विजेताओं को हर साल उनके जीते गए पदकों के लिए ईनाम बांट समारोह आयोजित किया जाए, ताकि हर विजेता का समय पर सम्मान हो तथा ईनामी राशि उसके आगामी प्रशिक्षण सीजन में काम आ सके। पिछले कई वर्षों से जब समारोह आयोजित ही नहीं होगा, तो फिर सैंकड़ों विजेताओं को एक दिन में सम्मानित इस तरह ही किया जाएगा। आनन फानन में आयोजित हुए इस समारोह में क्या किसी भी खिलाड़ी व प्रशिक्षक को टीए, डीए दिया गया? आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है। क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है।

तत्त्व चिंतन के लिए आगम का अध्ययन और गुरु उपदेश का अभ्यास जरूरी है : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी



कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। तत्त्व चिंतन करने के लिए तत्त्व का अभ्यास और आगम का अध्ययन आवश्यक है उपरोक्त उद्गारनिर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज ने प्रतिमा व्रत विज्ञान समाधि साधना शिविर में प्रात: धर्मसभा को संबोधित करते व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि तत्त्व चिंतन आत्मकल्याण का बहुत बड़ा आधार है। अपने शुद्ध आत्मतत्त्व का अनुभव करने के लिए आचार्य पूज्यपाद स्वामी ने गुरु के उपदेश और उसके अभ्यास को महत्त्वपूर्ण बताया है। गुरु का उपदेश पहला चरण है, उसके बाद उस उपदेश और देशना का निरंतर अभ्यास करना जरूरी है। आगम ग्रंथों के अध्ययन, उनके प्रति श्रद्धा और तत्त्व की प्रतीति से ही सम्यक समझ विकसित होती है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्र प्रचारमंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि महाराज श्री ने कहा कि जड़ पदार्थों की कितनी भी खोज कर ली जाए, उससे आत्मा की समता प्राप्त नहीं होती। व्यक्ति भवन में रहे अथवा वन में, उसकी साधना की वास्तविक पहचान उसके समता परिणामों से ही होती है। हमारे सामने तीर्थंकरों और श्रेष्ठ साधकों के आदर्श हैं। पंचम काल में वैसी उत्कृष्ट साधना दुर्लभ हो सकती है, लेकिन लक्ष्य हमेशा श्रेष्ठ आदर्शों को ही बनाना चाहिए।उनका स्मरण, गुणगान और अनुसरण करने से हमारे भीतर भी वैसे परिणाम प्राप्त करने की भावना जागृत होती है, महाराजश्री ने ध्यान के वास्तविक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए कहा कि गुरुवर आचार्यश्री ने मूकमाटी में लिखा है कि ध्यान की बात करना और ध्यानपूर्वक बात करना, इन दोनों में बड़ा अंतर है। कुछ समय शांत बैठने से मानसिक आराम मिल जाए, थकान दूर हो जाए, इसे ही लोग ध्यान समझ लेते हैं, जबकि आध्यात्मिक ध्यान इससे कहीं अधिक गहरी साधना है। ध्यान के लिए न एयर कंडीशन की जरूरत है और न किसी बाहरी अनुकूल परिस्थिति की। आचार्यों, मुनियों और योगियों ने जंगलों, वनों तथा गुफाओं में रहकर सर्दी, गर्मी और वर्षा जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में भी ध्यान साधना की है। ध्यान का संबंध बाहरी वातावरण से नहीं, बल्कि आत्मा की एकाग्रता और परिणामों की निर्मलता से है। महाराजश्री ने गृहस्थ जीवन में धर्माचरण की भूमिका समझाते हुए कहा कि कषायों के भावों से बचने के लिए गृहस्थ को दान, पूजा और स्वाध्याय जैसी धार्मिक गतिविधियों में लगाना आवश्यक है। केवल त्याग की भावना रखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि त्याग किस प्रकार करना है और उसे निर्दोष रीति से कैसे निभाना है, इसका ज्ञान भी होना चाहिए।

जैन कुलाचार में पानी छानकर पीने की व्यवस्था जीवदया और अहिंसा की भावना से जुड़ी हुई है। पानी छानने की विधि, छन्ने की स्थिति, छानने वाले के भाव, छने हुए पानी की प्रासुकता और कितने समय बाद उसमें पुन: जीव उत्पन्न होने की संभावना है, इन सभी बातों का विचार करना चाहिए।

विचक्षण जैन विद्यापीठ में हर्षोल्लास से मनाया गया बाल दिवस

■ विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता का हुआ सम्मान



रायपुर (विश्व परिवार)। विचक्षण जैन विद्यापीठ में बाल दिवस के अवसर पर उत्साह एवं उमंग के साथ विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना एवं उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करना था।

कार्यक्रम में विचक्षण जैन विद्यापीठ के संस्थापक सदस्य संपत झाबक, अध्यक्ष राजेश गिड़िया, महामंत्री विजय मालू एवं कार्यकारिणी सदस्य स्वप्निल कोटड़िया की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वहीं भारतीय जैन संघटना के अध्यक्ष राजेंद्र पारख, सचिव प्रकाशचंद चोपड़ा, कोषाध्यक्ष देवानंद जी बरड़िया, रतन बैद, श्री योगेंद्र जी भंडारी, श्री ताराचंद जी पारख, श्री प्रदीप जी सांखला, श्री डालचंद बाफना, श्री राजू जी कोचर सहित संघटना के सक्रिय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान महामंत्री सीए विजय मालू ने सबका स्वागत करते हुए अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि बच्चे परिवार, समाज, धर्म एवं राष्ट्र के भविष्य हैं, इसलिए समाज को उनके सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बच्चों को बड़े सपने देखने और मजबूत आत्मविश्वास (बिलीफ सिस्टम) के साथ कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सुंदर गीतों एवं प्रेरणादायक भाषणों की प्रस्तुतियाँ दीं। विद्यालय में आयोजित कविता एवं सुविचार, स्टोरी टेलिंग, अंग्रेजी पठन, एक्सटेम्पोर, एकल नृत्य, गायन एवं डायलॉग डिलीवरी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को BJS के सदस्यों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

विज्ञान मॉडल के माध्यम से संभव कर दिखाया ध्वनि को ऊर्जा में बदलना



राजनांदगांव (विश्व परिवार)। गायत्री विद्या मंदिर (हिन्दी माध्यम) कंचनबाग में बाल दिवस के अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी एवं बाल मेला का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हें वैज्ञानिकों ने रोचक और ज्ञानवर्धक मॉडल बनाये। बच्चों ने महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसा मॉडल तैयार किया, जिसे चैक-चैराहे में लगा सकते हैं, जिसकी आवाज सीधे पुलिस थाने में जाती है। ध्वनि से बिजली, ऑटोमेटिक अग्निशमन यंत्र, एयर फिल्टर जिससे हवा को शुद्ध कर सकते हैं। ज्वालामुखी जलचव, सिकल सेल, एनीमिया, फेफड़े के कार्य मानव शरीर के पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ आकर्षण का केन्द्र था।

गणित विषय के अंतर्गत ज्यामिति पार्क, श्री डी शेप, मैजिक बोर्ड, इकाई, दहाई का क्रम कोणों के प्रकार बतायें। खाद्य सामग्री में हो रहे मिलावट से सावधान करने और असली-नकली खाद्य पदार्थों का परीक्षण करने का तरीका बताकर बच्चों ने जागरूकता फैलाया। बाल मेला को आनंदमय बनाने के लिए बच्चों ने स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाये। संस्था के संरक्षण श्रीमती सुषमा सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी श्रीमती रूपाली गाँधी ने बच्चों द्वारा दिये जा रहे पूजनीय पत्ते की जानकारी, हस्तकला आर्ट एवं क्राफ्ट की विशेष सराहना की।

ज्ञान का सम्मान करना हर श्रावक का कर्तव्य, विराधना से होता है अशुभ कर्मों का बंध : मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी

■ विवेकानंद नगर में ज्ञान पंचमी पर हुई पांचों ज्ञान की आराधना और चैत्य वंदन



रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास के अंतर्गत ज्ञान पंचमी का पर्व शनिवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागरजी म.सा. आदि ठाणा-5 की पावन निश्रा में पांचों ज्ञान की आराधना, पूजन और चैत्य वंदन किया गया। इस दौरान श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में बड़ी संख्या में श्रावक- श्राविकाओं ने धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होकर धर्मलाभ लिया।

धर्मसभा में मुनिश्री ने मति ज्ञान, श्रुत ज्ञान, अवधि ज्ञान, मन:पर्यव ज्ञान और कैवल्य ज्ञान की महत्ता का विस्तार से वर्णन किया। मुनिश्री ने कहा कि ज्ञान जीवन को सही दिशा देने के साथ आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रत्येक श्रावक-श्राविका का कर्तव्य है कि वह ज्ञान और ज्ञान के साधनों का सम्मान करें। ज्ञान की कभी भी विराधना नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इससे अशुभ कर्मों का बंध होता है और आत्मा की आध्यात्मिक उन्नति में बाधा आती है।

मुनिश्री ने ज्ञान की विराधना के दुष्परिणामों का उल्लेख करते हुए कहा कि मनुष्य को केवल ज्ञान प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे अपने आचरण और व्यवहार में भी उतारना चाहिए। ज्ञान का सदुपयोग ही आत्मा को सही दिशा में आगे बढ़ाता है। उन्होंने श्रावक-श्राविकाओं को ज्ञान के प्रति श्रद्धा रखने और उसके महत्व को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी।

चातुर्मास समिति के महासचिव सुरेश बरड़िया ने बताया कि ज्ञान पंचमी पर पांचों ज्ञान की आराधना, पूजन और चैत्य वंदन में श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

ज्ञाना पंचमी के पावन अवसर पर श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में परमात्मा के समक्ष पांचों ज्ञान के सम्बंध आकर्षक रंगोली बनाई गई। सुंदर रंगोली का सभी ने दर्शन किया। श्रावक एवं श्राविकाओं ने ज्ञान की सामग्री कॉपी, पेन आदि एवं पांच धान गेहूं, चावल, चना दाल, मूंग, काली उड़द चढ़ाई।

महासचिव बरड़िया ने बताया कि परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा.- आदि ठाणा-5 रविवार सुबह विवेकानंद नगर से सदर बाजार स्थित आदिनाथ भगवान जैन मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। रविवार से मुनि भगवंत रायपुर स्थित जिनालियों में दर्शन,वंदन करेंगे।

लोहंडीगुड़ा में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस, अमर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि



जगदलपुर (विश्व परिवार)। जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर रविवार को लोहंडीगुड़ा स्थित ऐतिहासिक गोलीकांड शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के अमर शहीदों के अदम्य साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम के सरपंच सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण जन एकत्रित हुए। सभी उपस्थित लोगों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर और मौन रखकर अपने पूर्वजों के सर्वोच्च बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। वक्ताओं ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और शहीदों के आदर्शों पर प्रकाश डाला। ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलते हुए क्षेत्र के विकास और अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। पूरे आयोजन के दौरान देशभक्ति और अपने गौरवशाली इतिहास के प्रति सम्मान का वातावरण बना रहा।

भूपेश बघेल मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं : भाजपा

■ प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू का तीखा पलटवार : अपनी सियासी जमीन बचाने के लिए बघेल कर रहे हैं अनर्गल प्रलाप



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा है कि बघेल इन दिनों 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के पुरुषार्थ व पराक्रम और प्रदेश की जनता-जनार्दन के असीम स्नेह व विश्वास ने जिस तरह भूपेश बघेल के मुख्यमंत्रित्व काल के कुशासन को 2023 में सत्ता से उखाड़ फेंका, उससे न केवल बघेल, अपितु पूरा कांग्रेस नेतृत्व सदमे और सन्निपात के दौर से गुजर रहा है। इसी हताशा में वे इस प्रकार के अनर्गल प्रलाप की नियति का शिकार हो गए हैं।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती साहू ने कहा कि आज भूपेश बघेल की न केवल छत्तीसगढ़ की राजनीति में, बल्कि स्वयं कांग्रेस पार्टी के भीतर भी कोई राजनीतिक प्रासंगिकता शेष नहीं रह गई है। वे अपनी ही पार्टी में पूरी तरह अलग-थलग पड़ गए हैं। श्रीमती साहू ने तंज कसते हुए कहा कि राजनीतिक हाशिये पर जा चुके श्री बघेल इस तरह की बयानबाजी करके केवल अपने डूबते हुए सियासी वजूद को बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर निशाना साधते हुए श्रीमती साहू ने कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी की दिल्ली रैली में छत्तीसगढ़ के अधिकांश नेताओं के न पहुँचने पर प्रदेश नेतृत्व को अपने ही नेताओं को नोटिस देने का मन बनाना पड़ रहा हो, उस बिखरी हुई पार्टी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। ऐसे हालात में कांग्रेस के 'वन-वे लीडर' बन चुके भूपेश बघेल यदि भाजपा के एक इनोवा कार में सिमट जाने की हास्यास्पद कल्पना करते हैं, तो उन्हें यह खुशफ़हमी मुबारक हो। श्रीमती साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस के पिछले कार्यकाल के भ्रष्टाचार और कुशासन को भूली नहीं है, इसलिए बघेल को मुंगेरीलाल के सपने देखने के बजाय अपनी पार्टी के भीतर बचे-खुचे जनाधार की चिंता करनी चाहिए।

महादेव घाट में सफाई के दौरान जेसीबी से छतिग्रस्त किया नाविकों का तीन नाव



रायपुर (विश्व परिवार)। बीते रात छठ पर्व को देखते हुवे महादेव घाट में नगर निगम प्रशासन जोन 8 कमिश्नर द्वारा साफ़ सफाई करवाया जा रहा था। लेकिन निगम प्रशासन द्वारा बिना कोई पूर्व सूचना दिए जेसीबी को काम पर लगा दिया गया जिससे महादेव घाट में सैलानियों को घुमाने वाला तीन नाव पूरी तरह छतिग्रस्त हो गया। जैसे ही नाविको को सूचना मिली जेसीबी ड्राइवर की रोका और हटाया जिससे और नावो को नुकसान होने से बचाया जा सका। दिनभर छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के सेनानियों पदाधिकारियों ने निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। विरोध प्रदर्शन के बीच जोन आठ कमिश्नर राजेश्वरी पटेल पहुचीं। उपायुक्त रवि राही से क्रान्ति सेना अध्यक्ष डॉ अजय यादव, युवा क्रान्ति सेना अध्यक्ष शिवेंद्र वर्मा और मीडिया प्रभारी राहुल वर्मा की निगम मुख्यालय में चर्चा हुई पीड़ित तीनो नाविक भी साथ में उपस्थित थे और पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा भी उपस्थित रहे।

'आओ साथ चलें' मैक में Parent & Teacher Meeting का आयोजन



रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज, रायपुर में विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास, बेहतर संवाद एवं अभिभावकों और शिक्षकों के बीच समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आज 14 नवंबर 2026 को बाल दिवस के अवसर पर 'आओ साथ चलें' थीम पर अभिभावक-शिक्षक बैठक (Parent & Teacher Meeting) का आयोजन किया गया।

यह बैठक प्रात: 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक महाविद्यालय परिसर में किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, उनकी क्षमताओं, उपलब्धियों एवं सुधार की संभावनाओं पर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सार्थक चर्चा करना है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल जी ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के बदलते समय में बच्चों के साथ भावनात्मक जुड़ाव और संवाद बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। आधुनिक तकनीक और मोबाइल के बढ़ते प्रभाव के बीच अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों के साथ अधिक से अधिक समय बिताएँ, उनकी बातों को समझें तथा उनकी रुचियों, भावनाओं और आवश्यकताओं को प्राथमिकता दें। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बच्चों के जीवन में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी उनके व्यक्तित्व निर्माण एवं उज्ज्वल भविष्य की नींव रखती है।

इस अवसर पर अभिभावकों को अपने बच्चों की शैक्षणिक स्थिति, व्यवहार, रुचियों एवं भविष्य के लक्ष्यों के संबंध में शिक्षकों से सीधे संवाद करने का अवसर मिला। साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों एवं शिक्षकों की साझा भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया गया।

'आओ साथ चलें' का यहीं संदेश है कि बच्चों का बेहतर भविष्य तभी संभव है , जब अभिभावक और शिक्षक एक - दूसरे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें।

जनजातीय गौरव दिवस पर धर्मजयगढ़ में भव्य समागम : किरण देव



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा है कि आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुण्डा की 151वीं जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले 'जनजातीय गौरव दिवस' के उपलक्ष्य में रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। श्री देव ने शनिवार को यहाँ देवेन्द्र नगर रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि धरमजयगढ़ में होने वाले इस जनजातीय समागम में सरगुजा से लेकर जशपुर तक के विभिन्न जनजातीय समाज के लोग बड़ी संख्या में और पूरे उत्साह के साथ सम्मिलित होंगे।

16 से 18 नवंबर तक प्रदेश की सभी 90 विधानसभाओं में 'युवा संवाद' आयोजित होगा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दी और बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद श्री नितिन नवीन पहली बार छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। पूर्व में छत्तीसगढ़ के प्रभारी के रूप में उन्होंने लम्बे समय तक पार्टी का मार्गदर्शन किया है। 11 से 18 नवंबर तक आयोजित विविध कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा करते हुए श्री देव ने बताया कि 11 से 14 नवंबर तक राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री की प्रेस वार्ता के बाद अब बस्तर, सरगुजा सहित सभी जिला मुख्यालयों में प्रेस वार्ताएं हो रही हैं। साथ ही स्मारकों की स्वच्छता और दीपोत्सव का आयोजन किया गया है। कल 15नवम्बर को प्रदेशभर में भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। 16 से 18 नवंबर तक प्रदेश की सभी 90 विधानसभाओं में 'युवा संवाद' आयोजित होगा। इसके अतिरिक्त जनजाति छात्रावासों में संपर्क अभियान, स्वाभिमान सम्मेलन, शोभा यात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के योगदान को याद करते हुए भगवान बिरसा मुण्डा के नारे 'अबुआ दिशुम, अबुआ राज' (हमारा देश, हमारा राज) का उल्लेख किया। छत्तीसगढ़ के महान जनजातीय नायकों—शहीद गुंडाधूर, डेबरीधूर, शहीद वीर नारायण सिंह और गेंद सिंह को नमन करते हुए श्री देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में बिरसा मुण्डा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' घोषित कर जनजातीय संस्कृति और पहचान को सम्मान दिया है। सन् 2047 तक 'विकसित भारत' और 'विकसित छत्तीसगढ़' के निर्माण में जनजातीय समाज केवल लाभार्थी न रहकर एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में अपनी भूमिका निभाएगा। जनजातीय समाज की उन्नति के मद्देनजर बजट में ऐतिहासिक वृद्धि और नक्सलवाद के अंत की चर्चा करते हुए श्री देव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित जनजातीय कार्य मंत्रालय के बजट में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है।

समय रहते चेतें : डायबिटीज पर कदम उठाने का सबसे अच्छा समय वह है, जब वह दिखे भी नहीं



रायपुर (विश्व परिवार)। ज्यादातर लोग मानते हैं कि डायबिटीज़ होने पर शरीर खुद संकेत देगा, जैसे बहुत प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, बिना वजह वज़न घटना या कभी-कभी अचानक गंभीर हालत हो जाना। लेकिन टाइप 2 डायबिटीज़ आमतौर पर इतने नाटकीय ढंग से शुरू नहीं होती। यह चुपचाप, कई सालों में बढ़ती है और शुरू में कोई साफ़ लक्षण नहीं दिखता। जब तक इसकी पहचान होती है, तब तक कई मरीज़ों की आँखों, गुर्दों, नसों या दिल पर असर पड़ चुका होता है।

इसीलिए विश्व मधुमेह दिवस 2026-27 की थीम 'समय रहते कदम उठाएं' बहुत मायने रखती है। यह दिवस हर साल 14 नवंबर को मनाया जाता है। यह हमें याद दिलाता है कि डायबिटीज़ की रोकथाम और जल्दी पहचान सिर्फ़ डॉक्टरों की ज़िम्मेदारी नहीं है। यह हम सबके भविष्य की सेहत से जुड़ी है। बात सीधी है: डायबिटीज़ के खुद दिखने का इंतज़ार न करें। उससे पहले कदम उठाएं।

वह पड़ाव, जिसे ज़्यादातर लोग नज़रअंदाज़ कर देते हैं

सामान्य ब्लड शुगर और डायबिटीज़ के बीच एक अहम पड़ाव होता है, जिसे प्री-डायबिटीज़ कहते हैं। इसमें खाली पेट ब्लड शुगर 100 से 125 mg/dL के बीच रहती है, या HbAvc 5.7% से 6.4% के बीच होता है। इसका मतलब है कि शुगर सामान्य से ज़्यादा है, पर अभी डायबिटीज़ की सीमा तक नहीं पहुँची है।

अफ़सोस की बात है कि इसी पड़ाव पर कई लोगों को यह कहकर तसल्ली दे दी जाती है कि शुगर थोड़ी ही बढ़ी है और अभी आप डायबिटीज़ के मरीज़ नहीं हैं। वे बिना किसी साफ़ योजना के लौट जाते हैं। अपनी क्लिनिकल प्रैक्टिस में मैंने बार-बार देखा है कि डायबिटीज़ की रोकथाम का यह सबसे बड़ा छूटा हुआ मौका है। प्री-डायबिटीज़ का मतलब यह नहीं कि डायबिटीज़ होना तय है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, सोमवार 16 नवंबर 2026

दिल्ली में डॉ. राहुल अग्रवाल को मिला महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)–मानवीय मूल्यों, समाजसेवा और सामाजिक नेतृत्व में उल्लेखनीय योगदान के लिए अग्र गौरव अवार्ड से डॉ राहुल अग्रवाल को किया गया सम्मानित।

जानकारी के अनुसार समाजसेवा, सामाजिक नेतृत्व और जनकल्याण के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने वाले सूरजपुर के प्रतिष्ठित व्यवसायी व औद्योगिक घराने पीआरए ग्रुप के सदस्य डॉ. राहुल अग्रवाल (टिंकू) को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड के अंतर्गत अग्र गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन द्वारा 14 नवंबर को जनपथ स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। विभिन्न सामाजिक, मानवीय सेवा, दिव्यांग सेवा, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों में उनके उल्लेखनीय योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान सूरजपुर के लिए गौरव का विषय है।

डॉ. राहुल अग्रवाल लंबे समय से समाजसेवा और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। सामाजिक एकता को मजबूत करने, दिव्यांग सेवा, सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने, पर्यावरण संरक्षण तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य व कला के क्षेत्र में उनके योगदान को विशेष रूप से सराहा गया। व्यापार जगत में अपनी पहचान बनाने के साथ ही सामाजिक दायित्वों के प्रति



उनकी प्रतिबद्धता और विभिन्न संस्थाओं में संगठनात्मक नेतृत्व की भूमिका ने उन्हें अलग पहचान दिलाई है।

उनके सामाजिक सरोकार केवल किसी एक संस्था या गतिविधि तक सीमित नहीं रहे हैं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर सकारात्मक बदलाव की दिशा में निरंतर प्रयास उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। मानवीय मूल्यों, सामाजिक समरसता और सेवा भावना को प्राथमिकता देते हुए किए गए उनके कार्यों के फलस्वरूप उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित किया गया।

देश विदेश से चयनित प्रमुखों को ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित किया गया। जिसे देश के सभी राज्यो के साथ अमेरिका, जापान, थाईलैंड, सिंगापुर, नेपाल, मैनचेस्टर, हांगकांग, यूएई, दुबई, इंडोनेशिया से सामाजिक अग्रजो की भी अवार्ड से नवाजा गया। आयोजित भव्य समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि अति विशिष्ट अतिथि के रूप में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज व राष्ट्रीय व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील सिंघी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के प्रणेता एवं चेयरमैन प्रदीप मित्तल सहित देशभर से पहुंचे अग्रवाल समाज के प्रतिनिधियों और गणमान्यजनों की मौजूदगी में डॉ. राहुल अग्रवाल को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय मंच पर सूरजपुर का बढ़ाया मान

डॉ. राहुल अग्रवाल (टिंकू) को मिले इस राष्ट्रीय सम्मान से सूरजपुर सहित पूरे सरगुजा अंचल के अग्रवाल समाज में हर्ष और गौरव का माहौल है। समाजसेवा के क्षेत्र में उनकी निरंतर सक्रियता और समर्पण को मिली यह उपलब्धि अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रेरणादायी है। उल्लेखनीय है कि डॉ. राहुल अग्रवाल पूर्व में भी विभिन्न सामाजिक गतिविधियों और उपलब्धियों को व मानवीय मूल्यों के कर्तव्यों के निर्वहन को लेकर चर्चा में रहे हैं। महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और सेवा भावना व समाजवाद से जुड़े इस ख्यातिलब्ध सम्मान ने उनके सामाजिक योगदान को राष्ट्रीय पहचान प्रदान की है।

संक्षिप्त समाचार

लोहंडीगुड़ा में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस, अमर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि



जगदलपुर, 15 नवम्बर 2026/ जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर रविवार को लोहंडीगुड़ा स्थित ऐतिहासिक गोलीकांड शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के अमर शहीदों के अदम्य साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया गया। ?कार्यक्रम के दौरान ग्राम के सरपंच सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण जन एकत्रित हुए। सभी उपस्थित लोगों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर और मौन रखकर अपने पूर्वजों के सर्वोच्च बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। वक्ताओं ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और शहीदों के आदर्शों पर प्रकाश डाला। ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलते हुए क्षेत्र के विकास और अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। पूरे आयोजन के दौरान देशभक्ति और अपने गौरवशाली इतिहास के प्रति सम्मान का वातावरण बना रहा।

पीआई द्वारा किसानों के लिए लाया गया भारत का पहला स्वदेशी रूप से खोजा गया कीटनाशक मॉलिक्यूल, पियोक्साज़ोन®



रायपुरः पीआई इंडस्ट्रीज ने आज भारत के पहले स्वदेशी रूप से खोजे गए कीटनाशक मॉलिक्यूल द्वारा संचालित पियोक्साज़ोन® (पियोक्सानिलिप्रोल 20% एस सी) को लॉन्च किया। धान, मक्का और चने की फसलों के लिए विकसित, पियोक्साज़ोन® मूल वैज्ञानिक खोज से लेकर व्यावसायिक अनुप्रयोग तक की पीआई की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका मॉलिक्यूल, पियोक्सानिलिप्रोल, भारत की कृषि नवाचार यात्रा में एक निर्णायक क्षण है। यह दर्शाता है कि भारत अब अपने स्वयं के फसल सुरक्षा नवाचार की खोज, विकास, पंजीकरण और व्यावसायीकरण कर सकता है, और पियोक्साज़ोन® इस यात्रा को पूरा करने वाला पहला उत्पाद है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण आजीविका में कृषि का केंद्रीय स्थान है, जहाँ धान, मक्का और दलहन राज्य के फसल परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। रायपुर और उसके आसपास तथा पूरे राज्य के कृषक समुदायों के लिए, इन फसलों को कीटों के दबाव से बचाना केवल पैदावार बढ़ाने के बारे में नहीं है, बल्कि आय, खाद्य सुरक्षा और आजीविका की रक्षा करने के बारे में भी है। धान में येलो स्टेम बोरर, मक्का में फॉल आर्मीवर्म और चने में पॉड बोरर किसानों के लिए बड़ी चुनौतियां बने हुए हैं। भारतीय कृषि के साथ पीआई के आठ दशकों के जुड़ाव के आधार पर, पियोक्साज़ोन® का विविध बढ़ती परिस्थितियों में मल्टीलोकेशन फील्ड ट्रायल्स के माध्यम से मूल्यांकन किया गया है। यह धान में येलो स्टेम बोरर, मक्का में फॉल आर्मीवर्म और चने में पॉड बोरर के खिलाफ उपयोग के लिए केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (सीआईबी एंड आरसी) द्वारा पंजीकृत है। इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के वाइस चेयरपर्सन और मैनेजिंग डायरेक्टर मयंक सिंघल ने कहा, पियोक्साज़ोन0 पीआई की नवाचार यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पियोक्सानिलिप्रोल के साथ, हमने अपना स्वयं का मौलिक विज्ञान विकसित करने और इसे खोज व विकास से लेकर पंजीकरण तक के संपूर्ण नवाचार जीवनचक्र से गुजारने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। जैसे-जैसे पियोक्साज़ोन® किसानों तक पहुँच रहा है, हम भारत की विविध कृषि वास्तविकताओं की गहरी समझ से प्रेरित होकर भारतीय नवाचार को खोज से सीधे खेतों तक ले जा रहे हैं। किसानों के लिए, इसका अर्थ एक ऐसे समाधान से है जो आज उनके सामने आने वाले कीटों और मौसम की चुनौतियों के लिए बनाया गया है। पीआई के लिए, यह सर्वश्रेष्ठ भारतीय नवाचार को दुनिया भर में ले जाने की हमारी महत्वाकांक्षा को मजबूत करता है। पियोक्साज़ोन® चार विशिष्ट लाभों को एक साथ लाता है। यह छिड़काव के 30 मिनट के भीतर सबसे तेज़ अवशोषण प्रदान करता है, जिससे बारिश में न धुलने की उत्कृष्ट क्षमता और अनियमित मौसम में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मिलता है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का हुआ आयोजन



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)–भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जिले में जनजातीय गौरव दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस जनजातीय समाज के गौरव, स्वाभिमान और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। वर्ष 2021 से प्रारंभ हुआ यह आयोजन आज पूरे देश का उत्सव बन चुका है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजलाल रजवाड़े ने की। इस दौरान उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों ने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, संघर्ष, त्याग और देश की आजादी में उनके अतुलनीय योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन जनजातीय समाज के स्वाभिमान, अधिकारों और मातृभूमि के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। उनके विचार और संघर्ष सदैव आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्री लवकेश पैकरा, श्री अनुज राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्री घनश्याम सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के संबोधन का वर्चुअल माध्यम से सीधा प्रसारण देखा और सुना।

साईं धाम में विश्व अखंड भजन संपन्न



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)–श्री सत्य साई सेवा संगठन छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार श्री सत्य साई बाबा के सौवां जयंती के विशेष अवसर पर श्री सत्य साई सेवा समिति विश्रामपुर के द्वारा साई धाम में विश्व अखंड भजन मानवता के कल्याण,विश्व शांति,आध्यात्मिक दिव्य ऊर्जा का संचार एवं मानव में प्रेम,भक्ति,करुणा,आत्मिक आनंद जागृत करने के निमित्त आयोजित किया गया।

सामूहिक अखंड भजन चौदह नवंबर सायं छय बजे गणेश वंदना,वेद पाठ से प्रारंभ हुआ,पन्द्रह नवंबर को शाम छय बजे समापन हुआ,तत्पश्चात सुवाक्य,महामंगल आरती एवं भोग प्रसाद वितरण किया गया।

अखंड भजन में विश्रामपुर समिति सहित मनेन्द्रगढ़,बैकुंठपुर, अंबिकापुर,सूरजपुर,जरही, कुंम्दा,रेलवे स्टेशन कुंजनगर,सतपता,सपकरा की भजन मंडली शामिल हुई। भजन में काफी संख्या में साई भक्त शामिल हुए,कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

30,000 घरेलू और 3,500 अंतरराष्ट्रीय होटल व होमस्टे, 35 एयरलाइंस और 8 बैंक मेकमाईट्रिप के साथ मिलकर देंगे साल के आखिर की छुट्टियों पर डील्स

गुरुग्रामः मेकमाईट्रिप ने आज घोषणा की कि साल के आखिर में छुट्टियों की योजना बना रहे यात्रियों के लिए 'ट्रैवल का मुहूर्त सेल' का दूसरा संस्करण 14 नवंबर 2026 से शुरू हो रहा है। इसमें हिस्सा लेने वाले पार्टनर्स में ठहरने की 30,000 से ज्यादा घरेलू और 3,500 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय प्रॉपर्टी शामिल हैं। इनमें होटल चेन, रिसॉर्ट, इंडिपेंडेंट होटल, होमस्टे और विला हैं। इनके अलावा 35 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस और 8 बैंक भी साथ आए हैं (11 नवंबर 2026 की स्थिति के अनुसार)।

साल के अंत में यात्रा के साथ अक्सर कीमतों की चिंता भी जुड़ी होती है, क्योंकि यात्रियों को दिसंबर में बढ़ती कीमतों और सीमित उपलब्धता कीआशंका रहती है। 'ट्रैवल का मुहूर्त सेल' उन्हें पहले से प्लानिंग करने और पूरेभरोसे के साथ बुकिंग करने के लिए एक खास बुकिंग विंडो देती है, जिसमेंफ्लाइट, होटल, होमस्टे, हॉलिडे पैकेज, बस, कैब, ट्रेन, टूर्स और अट्रैक्शंस, फॉरेक्स तथा वीजा सर्विसेज पर डील्स मिलेंगी।

सेल के ऑफर छोटी और लंबी दूरी, दोनों तरह की यात्राओं पर हैं। इनमें कुर्ग, अंडमान, लक्षद्वीप, जम्मू-कश्मीर, केरल, राजस्थान, पूर्वोत्तर और गोवा जैसे देश के पसंदीदा ठिकानों से लेकर जापान, दुबई, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम, श्रीलंका, यूके और बाकी यूरोप जैसे अंतरराष्ट्रीय ठिकाने शामिल हैं। फेरारी वर्ल्ड (यूएई), यूनिवर्सल स्टूडियोज (सिंगापुर), मैडम तुसाद (सिंगापुर), मंडाई वाइल्डलाइफ ग्रुप के नाइट सफारी व सिंगापुर जू (सिंगापुर) और सन वर्ल्ड बा ना हिल्स (वियतनाम) जैसे दुनिया भर के लोकप्रिय अट्रैक्शंस भी इस कैंपेन से जुड़े हैं। राज ऋषि सिंह, मेकमाईट्रिप के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर - कॉरपोरेट, फ्लाइट्स, जीसीसी और मार्केटिंग ने कहा, भारत में शॉपर्स फेस्टिव सेलका इंतजार करते हैं, और हमारा मानना है कि ट्रैवल के लिए भी प्लानिंग काएक अलग सीजन होना चाहिए।

जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा जयंती

जनजातीय गौरव दिवस पर हुए कार्यक्रम





जगदलपुर/ धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) के अवसर पर क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 15 नवंबर को आयोजित इन कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस विशेष अवसर पर ग्राम पंचायत भानपुरी, ग्राम पंचायत पिपलावंड, ग्राम पंचायत छोटे आमाबाल, बालेंगा, लामकेर, चेराकुर, ग्राम पंचायत छापर भानपुरी आदि में भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और वक्ताओं ने वीर बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष और आदिवासी समाज के उत्थान में दिए गए अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। ग्राम पंचायत पिपलावंड और छोटे आमाबाल में जनप्रतिनिधियों की विशेष मौजूदगी में ग्रामीणों ने पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ इस दिवस को मनाया। वहीं, ग्राम पंचायत छापर भानपुरी में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में आयोजित कार्यक्रम में समाज की संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को याद किया गया। उक्त सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित इन आयोजनों के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात करने और समाज के विकास में सहभागी बनने का संकल्प लिया गया।

ऑनलाइन टोकन से आसान हुई धान खरीदी, सूरजपुर में पहले दिन 24 केंद्रों में शुरू हुई खरीदी

जिले के 60 उपार्जन केंद्रों में होगी धान खरीदी



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)– विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत सूरजपुर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ 15 नवंबर से हो गया है। खरीदी के पहले दिन जिले के 24 उपार्जन केंद्रों में किसानों से धान की खरीदी की गई। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा खरीदी केंद्रों में पहुंचकर धान खरीदी का शुभारंभ किया गया।

इस वर्ष जिले के कुल 60 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से किसानों से धान की खरीदी की जाएगी। किसानों को अपनी उपज बेचने में अधिक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा 6 नए धान खरीदी केंद्र भी बनाए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार सभी उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

किसानों को घर बैठे मिलेगा टोकन– किसानों की सुविधा के लिए राज्य शासन द्वारा 'तुंहर टोकन' मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन जारी करने की व्यवस्था की गई है। इसके जरिए पंजीकृत किसान घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन टोकन की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी, जिससे किसानों को उपार्जन केंद्रों में लंबी कतारों में लगने और टोकन के लिए बार-बार समिति के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। किसान गूगल प्ले स्टोर से तुंहर टोकन ऐप डाउनलोड कर अपनी सुविधानुसार धान विक्रय की तारीख का चयन कर टोकन बुक कर सकते हैं।

छोटे और सीमांत किसानों को मिलेगी प्राथमिकता– टोकन आवंटन के लिए उपार्जन केंद्रों की दैनिक खरीदी क्षमता का 70 प्रतिशत टोकन ऑनलाइन मोबाइल ऐप के माध्यम से तथा शेष 30 प्रतिशत टोकन सहकारी समितियों के माध्यम से ऑफलाइन जारी किए जा रहे हैं। लघु एवं सीमांत किसानों को प्राथमिकता देते हुए ऑनलाइन टोकन व्यवस्था में 80 प्रतिशत टोकन छोटे एवं सीमांत किसानों तथा 20 प्रतिशत टोकन बड़े किसानों के लिए आरक्षित रखे गए हैं।

नियमानुसार 2 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम 1 टोकन, 2 से 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम 2 टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम 3 टोकन जारी किए जाने का प्रावधान है। निर्धारित खरीदी सीमा के तहत पात्र किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है।

मोबाइल नंबर और आधार विवरण अद्यतन रखने की अपील– खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जिले के सभी पंजीकृत किसानों से अपना मोबाइल नंबर और आधार विवरण अद्यतन रखने की अपील की गई है। किसानों से निर्धारित समय-सीमा से पूर्व तुंहर टोकन मोबाइल ऐप का उपयोग कर अपना टोकन सुरक्षित करने का आग्रह किया गया है। ऑनलाइन टोकन बुकिंग या अन्य किसी तकनीकी समस्या एवं सहायता के लिए किसान विभागीय टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-233-3663 पर संपर्क कर सकते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, सोमवार 16 नवम्बर 2026

नर्सिंग केवल रोजगार का माध्यम नहीं, मानवता की सेवा और पुण्य का कार्य : मुख्यमंत्री साय

■ स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में प्रशिक्षित नर्सिंग कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले की ग्राम पंचायत आरा में नर्सिंग कौशल कॉलेज का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आरा में स्थापित यह संस्थान विशेष रूप से जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की बेटियों के लिए आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य की नई राह खोलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नर्सिंग केवल नौकरी या रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा और पुण्य का कार्य है। मरीजों की देखभाल, उनके उपचार और जीवन की रक्षा में डॉक्टरों के साथ नर्सिंग कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं से पूरी लगन, अनुशासन, संवेदनशीलता और सेवाभाव के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ शासन और पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त उद्यम प्रचेत फाउंडेशन के माध्यम से स्थापित इस संस्थान में दो वर्षीय एएनएम नर्सिंग पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कॉलेज की सभी 120 सीटों पर छात्राओं का प्रवेश पूर्ण हो चुका है। विशेष बात यह है कि यहां अध्ययनरत लगभग 90 प्रतिशत छात्राएं जनजातीय एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से हैं। आधुनिक प्रयोगशालाओं, छात्रावास और अन्य आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित इस संस्थान में छात्राओं को सैद्धांतिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद छात्राओं को प्रतिष्ठित अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का दिन दो महत्वपूर्ण पर्वों के कारण विशेष और पावन है। आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने के उद्देश्य से उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की पहल की है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वर्चुअल माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए छठ महापर्व की भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि सूर्यदेव और छठी मैया की उपासना का यह महान पर्व आस्था, श्रद्धा, तपस्या और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। ऐसे पावन अवसर पर नर्सिंग कौशल कॉलेज का शुभारंभ होना अत्यंत सुखद और सौभाग्य का विषय है।

मरवाही के जंगलों में दिखा दुर्लभ सफेद भालू

■ ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग अलर्ट



मरवाही (विश्व परिवार)। मरवाही वनमंडल के पेंड्रा वन परिक्षेत्र में इन दिनों एक दुर्लभ सफेद रंग का भालू लोगों के बीच कौतूहल के साथ-साथ डर का कारण बना हुआ है। ताजा मामला कुदरी गांव का है, जहां सडक़ किनारे घूमते इस भालू को राहगीरों ने अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में भालू सडक़ पार कर पहाड़ी की ओर जाता दिखाई दे रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, यह भालू क्षेत्र में पहली बार नजर नहीं आया है। पिछले करीब एक साल से कुदरी और कुडक़ई के जंगलों में इसकी मौजूदगी बनी हुई है। बताया जाता है कि सूर्यास्त के बाद यह अक्सर जंगल से निकलकर गांव और आबादी वाले इलाकों के नजदीक पहुंचता है और कुछ समय बाद वापस पहाड़ी की ओर लौट जाता है। इससे पहले भी अलग-अलग स्थानों पर इसके देखे जाने की जानकारी सामने आई है। 26 और 27 अक्टूबर की शाम को इसे गिरारी स्थित पटियाला हाउस रेस्टोरेंट के पास देखा गया था। वहीं, 30 जुलाई को जमड़ीखुर्द और करीब पांच महीने पहले आमादांड गांव में भी ग्रामीणों ने इसी भालू को देखने का दावा किया था।

ग्रामीणों में बढ़ी चिंता, वन विभाग से गश्त बढ़ाने की मांग

लगातार अलग-अलग गांवों के आसपास भालू की मौजूदगी से किसान और राहगीर चिंतित हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से शाम के समय गश्त बढ़ाने और भालू की लोकेशन पर नजर रखने की मांग की है। वन अधिकारियों के मुताबिक, सूचना मिलने के बाद जांच दल को मौके पर भेजा गया है। साथ ही ग्रामीणों को शाम के समय अकेले जंगल की ओर नहीं जाने की सलाह दी गई है।

आनुवंशिक बदलाव के कारण सफेद दिख रहा भालू

जानकारी के अनुसार, यह भालू भारतीय स्लॉथ बीयर प्रजाति का ही है। इसके शरीर का रंग सफेद दिखाई देने के पीछे एल्बिनिज़्म या ल्यूसिज्म जैसी आनुवंशिक स्थिति को संभावित वजह बताया जा रहा है। इन स्थितियों में शरीर में मेलेनिन पिगमेंट की कमी के कारण सामान्य काले रंग के बजाय फर का रंग हल्का या सफेद नजर आ सकता है।

धान खरीदी के पहले दिन कलेक्टर आकाश छिकारा ने बड़ेमारेंगा धान उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण

■ किसानों से रूबरू चर्चा कर टोकन की उपलब्धता एवं अन्य व्यवस्था के बारे में ली जानकारी



जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर जिले में रविवार 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का महाअभियान प्रारंभ होते ही जिला कलेक्टर आकाश छिकारा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना ने खाद्य, सहकारिता व मार्कफेड के अधिकारियों के साथ बड़ेमारेंगा धान उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने केंद्र पर पहुंचकर धान खरीदी की समूची प्रक्रिया, तौल व्यवस्था, बारदानों की उपलब्धता और गुणवत्ता जांच का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नमी मापक यंत्र (मॉइस्चर मीटर) से धान की नमी की जांच करवाई, जो मानक के अनुरूप 17 प्रतिशत से कम पाई गई, साथ ही 40 किलोग्राम प्रति बोरा मानक तौल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस केंद्र पर अपना धान बेचने पहुंचे किसानों मोतीराम सेठिया और ईश्वर मौर्य से कलेक्टर ने आत्मीय संवाद कर टोकन की उपलब्धता एवं अन्य व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल की खरीदी सीमा, समर्थन मूल्य और बोनस राशि 3100 रुपए कुल भुगतान के अंतर्गत 2441 रुपए खरीदी दर तथा शेष अंतर राशि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संवाद के दौरान कुछ किसानों ने 'एग्रीस्टैक' और 'डिजिटल गिरदावरी' पोर्टल पर खसरा नंबर या रकबा प्रदर्शित न होने की समस्या कलेक्टर के समक्ष रखी। इस पर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन किसानों का डेटा पोर्टल पर सिंक नहीं हो पाया है, उनकी सूची तत्काल तैयार कर तकनीकी समाधान कराया जाए ताकि किसी भी पात्र किसान को टोकन कटवाने में असुविधा न हो। उन्होंने बायोमेट्रिक और आइरिस स्कैन के माध्यम से आधार सत्यापन की प्रक्रिया को भी सुचारू रखने के निर्देश दिए।

जिले के कुल 88 उपार्जन केंद्रों पर आगामी 15 जनवरी तक निरंतर चलने वाले इस अभियान के पहले दिन 8 केंद्रों के लिए 13 किसानों के टोकन पंजीकृत हुए हैं, जिनके माध्यम से 50.44 मीट्रिक टन धान की खरीदी निर्धारित की गई है। पहले दिन की खरीदी में ऑनलाइन व्यवस्था के प्रति किसानों का जबरदस्त उत्साह दिखा है और जारी हुए कुल 13 टोकनों में से 11 टोकन 'किसान-तुंहर टोकन' मोबाइल ऐप से 41.44 मीट्रिक टन तथा 2 टोकन समितियों के माध्यम से 09 मीट्रिक टन कटवाए गए हैं। केंद्रवार आंकड़ों के अनुसार पहले दिन सर्वाधिक 4 टोकन 19.40 मीट्रिक टन बड़ेमारेंगा केंद्र में पंजीकृत हुए हैं, जबकि मुली में 2 टोकन 8.60 मीट्रिक टन, रेटावंड/बालेंगा में 2 टोकन 6.32 मीट्रिक टन, सोनपुर में 1 टोकन 5.76 मीट्रिक टन, नदीसागर में 1 टोकन 3.88 मीट्रिक टन, कचनार में 1 टोकन 2.48 मीट्रिक टन, बड़ांजी में 1 टोकन 2.00 मीट्रिक टन और लोहण्डीगुडा/धुरागांव केंद्र में 1 टोकन 2.00 मीट्रिक टन धान की तौल के लिए जारी हो चुके हैं।

जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को लंबी दूरी तय न करनी पड़े, इसके लिए इस वर्ष जिले में 9 नए उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिले में कुल 67,538.0160 हेक्टेयर रकबे के साथ 51,068 किसान धान विक्रय के लिए पंजीकृत हैं। पारदर्शी व्यवस्था के लिए 70 प्रतिशत टोकन मोबाइल ऐप से ऑनलाइन और शेष 30 प्रतिशत टोकन समितियों व केंद्रों से ऑफ्लाइन जारी किए जा रहे हैं।

केंदा घाट में कंटेनर पलटने से लगा लंबा जाम

■ बिलासपुर-पेण्ड्रा मार्ग पर थमे वाहनों के पहिए



गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश को जोडऩे वाले बिलासपुर-पेण्ड्रा मुख्य मार्ग पर केंदा घाट में एक कंटेनर के अनियंत्रित होकर पलटने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई। कंटेनर के सडक़ पर गिरने के कारण मार्ग के दोनों ओर भारी और मालवाहक वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे इस रास्ते से गुजरने वाले वाहन चालकों और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, केंदा घाट की सडक़ लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। जगह-जगह गड्ढे और खतरनाक मोड़ होने के कारण यहां वाहन चलाना जोखिम भरा बना हुआ है। घाटी का ढलान और खराब सडक़ आए दिन दुर्घटनाओं तथा वाहनों के फंसने की वजह बन रहे हैं।

इस समस्या के पीछे बिलासपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे का निर्माण कार्य निर्धारित गति से नहीं होना भी एक बड़ी वजह माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस मार्ग पर पिछले तीन वर्षों से निर्माण कार्य जारी है, लेकिन अब तक काम पूरा नहीं हो पाया है। निर्माण में लगातार हो रही देरी का खामियाजा राहगीरों और वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है।

स्थानीय वाहन चालकों का कहना है कि केंदा घाट में आए दिन वाहनों के खराब होने और दुर्घटनाओं के कारण जाम की स्थिति बनती रहती है। कंटेनर पलटने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। जाम में फंसे लोगों ने प्रशासन से तत्काल क्रेन की व्यवस्था कर कंटेनर हटवाने और यातायात बहाल कराने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने नेशनल हाईवे निर्माण कार्य में तेजी लाने की भी मांग उठाई है।

पेंड्रारोड में अवैध धान भंडारण पर प्रशासन का छापा, 240 बोरी धान जब्त

■ बरवासन गांव में दो अलग-अलग ठिकानों पर संयुक्त टीम की कार्रवाई, दूसरे किसानों से धान लाकर समर्थन मूल्य पर खपाने की थी तैयारी



गौरेला (विश्व परिवार)। जिले में धान के अवैध भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने निगरानी और कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने पेंड्रारोड तहसील के ग्राम बरवासन में दो अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर कुल 240 बोरी धान जब्त किया है।

प्रशासन को मिली सूचना के आधार पर संयुक्त जांच दल ने गांव में छापेमारी की। जांच के दौरान राजेंद्र गुज्जर के बाड़े में ट्रैक्टर पर लदी 35 बोरी और खुले स्थान पर रखी 100 बोरी धान मिली। इस तरह उनके ठिकाने से कुल 135 बोरी धान बरामद की गई। वहीं, ग्रामीण जीवन सिंह मारको के यहां से 105 बोरी धान जब्त की गई। दोनों स्थानों से बरामद कुल 240 बोरी धान को प्रशासनिक टीम ने वैधानिक कार्रवाई के तहत जब्त कर ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में सौंप दिया है।

खेतों में कटाई शुरू नहीं, दूसरे किसानों से लाया गया था धान

जांच के दौरान पूछताछ में एक अहम तथ्य सामने आया। अधिकारियों के मुताबिक, जिन दोनों व्यक्तियों के यहां धान का भंडारण मिला, उनके खेतों में अभी धान की कटाई और मिसाई (थ्रेशिंग) का काम शुरू ही नहीं हुआ था।

ठाड़पखना स्कूल में बच्चों ने धूमधाम से मनाया बाल दिवस

कोरबा। पाली ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला ठाड़पखना, संकुल पटपरा में बाल दिवस हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की तैलचित्र पर तिलक लगाकर एवं गुलाब का फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक संतोष पटेल ने बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को बताया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से विशेष स्नेह था। बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। उनके जन्मदिन 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा, संस्कार और अनुशासन के महत्व को समझाते हुए जीवन में आगे बढने के लिए प्रेरित किया।

जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा जयंती

■ जनजातीय गौरव दिवस पर हुए कार्यक्रम



जगदलपुर (विश्व परिवार)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) के अवसर पर क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 15 नवंबर को आयोजित इन कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस विशेष अवसर पर ग्राम पंचायत भानपुरी, ग्राम पंचायत पिपलावंड, ग्राम पंचायत छोटे आमाबाल, बालेंगा, लामकेर, चेराकुर, ग्राम पंचायत छापर भानपुरी आदि में भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और वक्ताओं ने वीर बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष और आदिवासी समाज के उत्थान में दिए गए अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। ग्राम पंचायत पिपलावंड और छोटे आमाबाल में जनप्रतिनिधियों की विशेष मौजूदगी में ग्रामीणों ने पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ इस दिवस को मनाया। वहीं, ग्राम पंचायत छापर भानपुरी में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में आयोजित कार्यक्रम में समाज की संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को याद किया गया।

किसानों को अव्यवस्था और परेशानी का सामना करना पड़ा : कांग्रेस

■ धान खरीदी के पहले ही दिन भाजपा सरकार के पुख्ता इंतजाम के दावों की खुल गई पोल



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार धान खरीदी की शुरुआत से पहले पुख्ता इंतजाम की बड़े-बड़े दावे कर रही थी, लेकिन खरीदी के पहले ही दिन जमीनी हकीकत सामने आ गई। भाजपा सरकार की किसान विरोधी सामने उजागर हो गया। असल में किसानों से वादानुसार 21 क्विंटल धान की खरीदी से सरकार बच रही हैं, इसलिए पहले जिनको टोकन दिया गया हैं उसमे कटौती की गई। धान खरीदी केन्द्रो में बारदाने की कमी, कहीं टोकन और तौल की समस्या, तो कहीं खरीदी केंद्रों में अव्यवस्था की शिकायतें किसानों की परेशानी बढ़ा रही हैं। किसानों को ऑनलाईन टोकन नहीं मिला, टोकन के लिए जनवरी तक इंतजार करने कहा गया। पंजीयन ऐप में रकबा कम होने के कारण धान कम खरीदी हुई, कई किसानों का रिकॉर्ड नहीं मिला। कई धान खरीदी केंद्र में बोहनी तक नहीं हुई।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सरकार बताये कि जब पहले से धान खरीदी की तारीख तय थी, तो व्यवस्थाएं दुरुस्त क्यों नहीं की गयी? हर साल धान खरीदी के नाम पर किसानों को इंतजार और परेशानियां क्यों झेलनी पड़ती हैं? सरकार आखिर मोदी की गारंटी पूरा करने से भाग क्यों रही हैं? किसान अगर अपना धान समर्थन मूल्य पर बेचने से वंचित रहेगा तो उसको होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई कौन करेगा? भाजपा सरकार को अपने किसान विरोधी मंशा से बाहर निकलना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बीते खरीफ सीजन में सरकार के धान खरीदी में भारी अव्यवस्था के चलते सात लाख से अधिक किसान धान नहीं बेच पाए थे। धान खरीदी में अव्यस्था गड़बड़ी के चलते किसानों ने आत्मघाती कदम उठाया था, कीटनाशक पी लिए थे, कुछ किसानों की तनाव के चलते स्वास्थ की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी। चालू खरीफ सीजन में भी सात लाख से अधिक किसानों का पंजीयन नहीं हो पाया हैं। अनावरी रिपोर्ट में धांधली, रकबा कम होने की शिकायत मिल रही हैं। चालू खरीफ सीजन में सिर्फ 42 दिन धान खरीदी हो गई इससे स्पष्ट है सभी किसान अपना उपज बेच नहीं पायेगा। ये सरकार रचित षड्यंत्र हैं जिससे किसानों को नुकसान होगा। कांग्रेस मांग करती है धान खरीदी की अव्यवस्था सुधार किया जाये, किसानों को मेन्युअल टोकन देने की व्यवस्था करे।

नदी में बढ़ा जलस्तर : जल संसाधन विभाग ने देर रात छोड़ा पानी

कोरबा। पूर्वांचल वासियों का छठ पर्व ऊर्जाधानी में धूमधाम से मनाया जा रहा है।इसकी शुरुआत खरना व्रत के साथ शनिवार से हुई और आज डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस पर्व का समापन होगा। पर्व की तैयारी में समस्त व्रती और उनके परिजन लगे हुए हैं। आज शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा का निर्वहन किया जाएगा जिसके लिए विभिन्न छठ घाटों में पूरी तैयारी पहले से कर ली गई है। इन तैयारी पर पिछले साल की तरह इस साल भी कुछ जगह पर पानी फिर गया है जिसमें वह घाट प्रमुख हैं जहां हसदेव नदी का पानी बहता है। सूचनाओं के मुताबिक हसदेव नदी के किनारे स्थित पुरानी बस्ती के करन घाट व इससे लगे दूसरे घाटों में की गई तैयारी पर देर रात पानी फिर गया। बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब 9.30 बजे नदी का जलस्तर एकाएक बढऩे लगा और नदी के किनारे पूजा के लिए बनाए गए मठ बह गए। आज शाम की पूजा के लिए इन मठों को तैयार किया गया था। साथ ही टेंट भी लगाए गए हैं। यह सारे स्थान कल तक सूखे हुए थे और यहां व्यवस्थाएं की गई थी। बांस-बल्ली गाड़े गए और टेंट भी लगाए गए लेकिन आज सुबह यहां नजारा कुछ और नजर आया। स्थानीय लोग जो तैयारी में लगे हुए थे, उन्होंने बताया कि रात करीब 9.30 बजे एकाएक जलस्तर बढऩे लगा तो वह भी चकित रह गए।

पहली बार बायोमेट्रिक आधारित धान खरीदी व्यवस्था की शुरुआत

■ 1 क्विंटल धान बेचने पर भी 21 क्विंटल धान का मिलेगा बोनस



कोरबा (विश्व परिवार)। खरीफ विपणन वर्ष 2026 -27 में 15 नवंबर से धान खरीदी अभियान का आगाज होगा। पारदर्शिता के लिए प्रदेश में पहली बार बायोमेट्रिक पद्धति आधारित धान खरीदी व्यवस्था की शुरुआत की जा रही है। किसानों अथवा उनके नॉमिनी उपार्जन केंद्र में जाकर थम्ब इम्प्रेशन (अंगूठा लगाने) के उपरांत ही समर्थन मूल्य पर धान बेच सकेंगे। जिले को 31 लाख 16 हजार 270 क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए 8 नए उपार्जन केंद्रों के साथ 60 आदिवासी सेवा सहकारी समितियों के कुल 73 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 53 हजार 5,475 पंजीकृत किसानों के जरिए धान खरीदी की जाएगी। यहाँ बताना होगा कि छत्तीसगढ़ शासन खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक समर्थन मूल्य पर धान खरीदी करने जा रही है। इस साल खरीदी की मियाद पखवाड़े भर कम कर दी गई है। कोरबा जिले को इस साल 31 लाख 16 हजार 270 क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया है । कुल 67 हजार 308.58 हेक्टेयर धान का रकबा है । 8 नए उपार्जन केंद्रों- मुढाली ,चोढ़ा, ढोलपुर, डोंडकी, परसदा, नवापारा ,परला एवं पुरैना समेत 60 आदिवासी सेवा सहकारी समितियों के कुल 73 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से निर्धारित खरीदी दिवस में धान खरीदी की जाएगी।

धान खरीदी के पहले ही दिन से इस साल धान की आवक (बोहनी) शुरू हो जाएगी। पहले दिन 15 नवंबर के लिए जिले में 11 समितियों के 11 उपार्जन केंद्रों के लिए 16 किसानों ने टोकन तुंहर एप से 49.48 क्विंटल धान का टोकन कटवाया है। समितिवार/उपार्जन केंद्रवार केरवाद्वारी से 5, छुरीकला से 1. 20 ,डोंडकी से 2.96,तुमान से 2.32,नवापारा सिरमिना से 7.52 निरधी से 5.16 ,परसदा से 1.04 ,पाली से 10.64 ,श्यांग से 5.56 ,सिरमिना से 6.80 एवं हरदीबाजार से 1.80 क्विंटल धान की बिक्री के लिए कुल 16 टोकन कटे हैं। किसानों का फूल माला पहनाकर हार्दिक अभिनंदन कर धान खरीदी अभियान का श्री गणेश किया जाएगा। एकादशी के उपरांत धान की कटाई मिंजाई में तेजी आएगी। लिहाजा आने वाले दिनों अन्य समितियों से भी ऑनलाइन टोकन तुंहर एप एवं समिति स्तर से तेजी से टोकन कटने के आसार हैं। जिससे खरीदी में तेजी आएगी।

गत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में कुल 52 हजार 566 पंजीकृत किसान थे। जिसमें से 43 हजार 861 किसानों ने 27 लाख 47 हजार 101 .20 क्विंटल समर्थन मूल्य पर 650 करोड़ 78 लाख 82 हजार 742.80 रुपए का शासन को धान बेचा था। इस साल 909 नए किसान पंजीकृत हुए हैं।

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

किसानों के सम्मान और समृद्धि का उत्सव



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

धान खरीदी उत्सव 2026-27

15 नवंबर 2026 से धान खरीदी प्रारंभ

प्रदेश के सभी **3,100 उपार्जन केंद्रों पर होगी खरीदी**

₹3,100 प्रति क्विंटल
की दर से धान खरीदी

₹13,839 प्रति एकड़
की दर से आदान सहायता

21 क्विंटल से कम
धान बेचने पर भी मिलेगी
पूरी आदान सहायता राशि

25.49 लाख कृषक एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीकृत
कृषकों को **नहीं कराना होगा दोबारा पंजीयन**

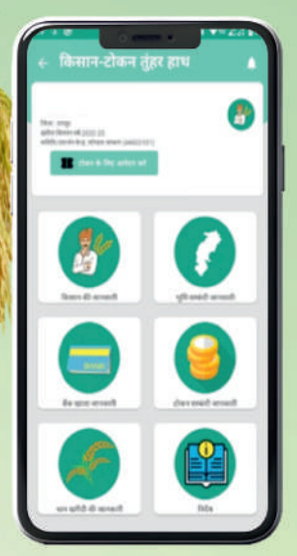
कृषक कल्याण की
विभिन्न योजनाओं से
₹ 1.50 लाख करोड़
से अधिक की राशि अंतरित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
25 लाख किसान
लाभान्वित



बायोमेट्रिक प्रणाली से
पारदर्शी खरीदी व्यवस्था

तुंहर टोकन ऐप से
घर बैठे टोकन व्यवस्था



24x7
उपलब्ध

SAMVAD- 49792/117

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें